

DPN 6443

Title : दशकर्मविधि / DAŚAKARMA VIDHI

Run. No. 7168

Cat. No.

Micro. No.

Subject *karmakāṇḍa*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 21 x 9

Folios 59

Lines (in a page) 24 / 26

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

रामानन्द उपाध्याय

Date: NS / SS / VS / KS 985, 913

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Together with Nāgavāstu yantṛa

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Direction is in Nepāla bhāṣā

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

7. दशक्रियाविधानं लिख्यते ॥ गम्भीरानं पुत्रवर्णं शीमन्तोन्नयनं तथा ।
इति दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥
इति दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥

2. खे देगुलि पूजा विधि ॥ 3 ब्रह्माध्यानं ॥ इति ब्रह्माध्यानम् ॥



[illegible]

[illegible]

लिङ्गममयमन्त्रिद्व द्वयगण
 चित्राद्यामितकन ॥ १ ॥ इन्द्रगण
 नक्षत्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २ ॥
 नक्षत्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ ३ ॥
 शिथिलार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ ४ ॥
 इन्द्रगण ॥ ५ ॥
 वधुत्तम ॥ ६ ॥
 अक्षरितमन्त्रद्वयकं यद्विष्ट ॥ ७ ॥
 इन्द्रगण ॥ ८ ॥
 कृत्तिका ॥ ९ ॥
 मृत्तिका ॥ १० ॥
 शिथिलार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ ११ ॥
 इन्द्रगण ॥ १२ ॥
 जयमाता ॥ १३ ॥
 नक्षत्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ १४ ॥
 मिथुना ॥ १५ ॥
 द्विष्ट ॥ १६ ॥
 इन्द्रगण ॥ १७ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ १८ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ १९ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २० ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २१ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २२ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २३ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २४ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २५ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २६ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २७ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २८ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ २९ ॥
 मन्त्रार्थश्रीदर्मार्थमाय ॥ ३० ॥

लयन ॥ ॐ हि नमः ॥ यमलिय
 ॥ ॐ सददस्यति ॥ धायससि ॥ धम
 मसि ॥ दायन ॥ ॐ वीरयप्रम ॥ वी
 दियुदयन ॥ ॐ स्वविक ॥ काव्य
 दण ॥ ॐ ॐ धनास्वा ॥ सिवतन ॥
 ॐ मयग ॥ ॐ महिगुडमि ॥ मनी
 स्वायन ॥ ॐ ममालिन ॥ ॐ धनावा
 क्कय ॥ मनिदूतन ॥ ॐ दृष्टादियु
 क्षमनिदृष्टिद्युक्ताविष्मडाय
 धीवाविकलकेभनमसहसाय
 क्षानिःसनादिवासनियस्यागुनः
 कं ॥ ॐ दमासनादिसुदवातन
 ॥ ॐ मनिमीड ॥ ४ ॥ ॐ दालिनाक
 यालयुहा ॥ धायमिमिविथिदाय ॥
 ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ कृष्णकृष्णयाग ॥
 ॐ उवाहदवति ॥ मनिमसूखीक
 वन ॥ वमधनायसस्वाननम ॥
 ॐ वमधनाय ॥ ॐ वमधनामूर्क
 य ॥ ॐ वमधनामूर्कथवर्तिगु
 दगुदं स्वाहा ॥ आवाहनादि ॥ मग
 गंधादि ॥ वलिनवद्य ॥ ॐ कामदयम
 र्कय ॥ ॐ कामदवाय ॥ ॐ कामद
 वासनाय ॥ आवाहनादि ॥ ॐ यु
 गलसंग्मासनाय ॥ ॐ युगलाग
 र ॥ मगगंधादि ॥ वलिनवद्य ॥

॥ ॥ गमालिकायालादिद्युतनाकृति
 शक्याग ॥ गेलन ॥ धाकप्रकान
 यन ॥ धमनावालावहाममकु
 ॥ ॐ ॐ ॐ मर्काउयवीरलीलु
 कथउदखलामलिलयाडाध
 मश्रवतानश्रगादिगंस्वाहा ॥ य
 नःद्युतन ॥ ॐ दं मर्कमर्क ॥ ॐ द्या
 दि ॥ यनवाकृतिमकु ॥ ॐ मालिख
 ननिमिखकिवदंतडयपुमिदुय
 दःकृष्णगुयागयादिनृमलिद
 कीमखःसर्वावागुवतानश्र
 तादिगस्वाहा ॥ * ॥ यनद्युतन ॥
 ॐ ॐ दं मालिखयादि ॥ यनधर्ग
 मिसमिधदाय ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ कृ
 मनायाय ॥ वलि ॥ ॐ विष्णुगुद
 वता ॥ युष्णु ॥ ॐ द्योःगमनि ॥ ॐ मव
 क्तन ॥ ॥ कान ॥ ॐ सुगिकानियुग
 लायग्निककर्मनिदंतवावस
 धनादिसर्वायतनामुर्मगताध
 कं ॥ मगगंधादि ॥ ॥ धमनसाय
 यागधामयायमाला ॥ यनकदुध
 कृष्ण ॥ वाक्कावनेस्वमिकता
 यनय ॥ ॥ ॥ वलिध्यादमकि
 र्क ॥ मनसा ॥ धवलमवाययास
 धमनयाववकुनथायावतय

॥ जयति ये ॥ उं कर्क २४ सुकर्क २४
वालवधुमाञ्जवकु नकु सुजनम
सुअसुमीसेलालय नायकनन
सुअयक मनमातागासीसन ४
यिताममलवलोयानोवधुकु
नकु सुजनम सुअसुमीलाल
यताकवरा शिमूलनितनामय
नितनवदगितनदयानिडि दृति
नगलितयगवयवदामायगव
शिमूलममिति ॥ धनार्थनियाम
माननामयानितनवदगितनदय
निकमान ॥ वालकयानमाध
कर्मयाय ॥ मन्त्रकमाधकर्म
समान ॥ ॥ वायभाउक्यमाल
कमानधियाया ॥ ॥ वाययि
हावयावरमासादीनखान
गन ॥ सनाय ॥ गायसादिदहि
वा ॥ ततावदावर्त ॥ ॥ वाक्कने
यागदहिवाविय ॥ लिधियि
तदहिवातयगनगय ॥ यिधि
तिनियार्गदहिवागय ॥ वाचन
काय ॥ ॥ धनपुथि ॥ च ॥ यिधि
वि ॥ गाय ॥ गाय ॥ गायमाल
गायसादियार्तनयक ॥ वाय
नजलथाउयकलियुजमरि

थका ॥ उं दवस्यता ॥ वालकयान
मानयार्गमलिलमगन ॥ थका
दियुगितनमकलसविद्य ॥ च
ननमिदनालीष्टिदा ॥ वालकय
ग ॥ उं यनवा ॥ मानयार्गथका
दिनीयार्गथकादियार्गमालका
सविद्य ॥ अथसिधुर्ममानक्या
गयनादिगनमथिमलवद्राय
॥ मयविमकुयगव ॥ मयवाक
वादिमकुयिचियालवयक
लविय ॥ ॥ गायसादिविमकु
नी ॥ उं दवागमुविद ॥ सुयनादि
॥ ठाकवियमाल ॥ निजवकुय
क ॥ इखायिखाकाय ॥ ॥
॥ गिनादीमूयादियवदकड
गकमादिविधि ॥ ॥ वाक्क
वातासायगदामयायमा
लमियकाउमानमाल ॥ ॥

१ मथयदुक्कदिनमददतडा

१६ नलकानायायुजा ॥ विधि ॥ ६ ॥ १० काननसि
विकलपूजा ॥
नविश ॥ १०

वाचनयुय ॥
निगुविदियदकि

लंगलकले ॥ वदलकहावद्वानस
घादावरीकविया ॥ उयाधव
महागङ्गायायुय ॥ ०० नकादि
थिनिआयजाविधानध्यायाय ॥
वाक ॥ १० यवरीयागमर्जननिमि
यर्थ ॥ वायनध्यायसयक ॥ १०
कादिस्यथिउगिविय ॥ वाक ॥
स्यमिथियकविय ॥ चवथिडा
यधीधकद्रविम्यनयक ॥ १०
सुनिकाविधनकद्रधयायिन
कागासतिकद्रनिम्यममाल ॥
मध्यानिवदला ॥ १० ॥

शनककद्रद्रयायभाउद्रयक
॥ ०० यिववमुनतियक ॥ ददन
महागङ्गायायुय ॥ १० कदि
स्यथावदकयाय ॥ ॥ १० वध
यनयादागयावसधनायदग
माउगुलिर्ममालकागहावद
दनयुजायायुय ॥ मासयाय
वममगुलादेय ॥ ददनवलय
ग १० दानमहावक ॥ दाकवि
य ॥ दवमहागाधधनक ॥ १० ॥

मथदादनदिवमलकायाय ॥

वि४

वालकमानयायक ॥ १० कदिस्यथा
यकयाय ॥ ॥ १० वधयनयादाव
नयवसधनायदगमाउगुलिर्म
महावददनयुजायायुय ॥ विधि
॥ ॥ १० कद्रवसधनायधय
नमयागमाधनगलमजलमा
आयमायावमावमगया १०
माससि ०० ॥ १० गचुर्गुजय
मथाय ॥ गायनहाल ॥ काय
खलधंगय ॥ ॥ १० वसधनाय
त ॥ ॥ १० यादवनमलानवल
गय ॥ वसधनायसलखगय ॥
दुद्रममाल ॥ वलंगगदल १०
नधलिदसद्यादाववसधना
यसदिवकीत ॥ ॥ १० यादवन
यवाकृतामगय ॥ दालमवी
हिता १० थकाववसधनायदा
यकावत ॥ युवादिन ॥ सानवा
१॥ गच्छा २॥ म्वाग ३॥ मास ४॥ क
लीग ५॥ कययुलि ६॥ मुग ७॥ उ
गि ८॥ यल्लासरे ॥ १० ॥ वका
१॥ युका १२॥ मथवाकृदवसदा
थेतव ॥ गच्छाकी १२ दयकमा
ला ॥ चदनमिद्वनयकायवीगय
यादिनगयावददनयुजाया

कनकसिंहात्मसुभाषद
विद्या ४॥५॥

[illegible]

कमात्रस्य कनधादिदमन्धन ॥
 पुनर्धादि ॥
 ददनं निधिलकृद्वा वास्यतया
 लीलाया भावाया च विवर्गमन
 नकाव आलदासासधदावव
 मधवायं दायकावलखायि
 वनेवाकगाथे ॥ तगवार्धम
 हक ॥ बालकलथगन ॥ लगन
 ॥ ललितन रियकाव आयदासा
 मयूवाककठगयाव धयादय
 नवालकतयाव धकादिनीनव
 मधवायं दायकाय ॥ धय
 लम धनिय ॥ सुविधाय ॥ ग
 जानधाय ॥ खग ॥ मलसनक ॥ डं
 स्वमिनामिताय ॥ ध्यादितन ॥
 धनधनकाडा ॥ मामन ॥ याककठ
 जान ॥ मयम ॥ मलधालयालयक
 वडात ॥ द्रुमसिधुमर्म डालमाला
 जाकाव बालकवयाव विदावयव
 लकयायुगिनमियकावयातकाव
 विमर्जनयाय ॥ धमियकाउर्याम
 वायकलकृया ॥ कायल्य ॥ धम
 यालासा ॥ किं वगयाव ययवका
 यलनगाकययाव ॥ धयनायव
 लकयिगयन ॥ माठकिनिवाल

कया मानसदिचकंगय ॥ धि
 बालययादानम उवखवम
 कलम ॥ ग० २ ॥ दाल्याखय २ ॥ नि
 यागशतय ॥ धकादिनीनवाल
 कलमाय ॥ लखमठलादिनिर्म
 कर्म ॥ डं नडा ॥ डर्म ॥ मग्निवाक
 नका ॥ डं ममननिमि ॥ मगुवन
 लाय ॥ डं ममननि ॥ चन्दनमिद्व
 ययमखानविय ॥ धतमायक
 मतय ॥ मरुमानियुमिष्ट ॥ डं
 मनाहूनि ॥ मामनकायाउमयाउ
 धदावतया खय ॥ ग० २ ॥ नवक
 ॥ डं मवदादगुसक ॥ ४ ॥ याचीमा
 नाकगाय गिलावगुनर्थतन ॥ मा
 मरुवक्तामाननमृदुवुक्कडविर्ग
 ॥ धय ॥ मययाठकयकभवून ॥
 ॥ ॥ धय ॥ धयिद्विगर्मद्वव
 याधैल्लसाय ॥ यूर्वनिर्म ॥ ह
 वया ॥ गयगाउरुयक ॥ वयडा
 काविमयम ॥ डं दद्विगममावा
 दगिन्नावावगुवृत्तमामयचद
 लीकासाचीममृदुदगुडयविर्न ॥
 २ ॥ ययिम ॥ डं युतीचीमानादऊग
 तीत्वागुवेवेनूययमामसयद

लसामचयामुदुविवर्ग ॥ ३॥ उ
 कन ॥ उं उदीचीमावाकानदुवाव
 उव्वनोउ ॥ ४ ॥ मासेकविनसाम ॥ ५ ॥ ननदस
 नदल ॥ ६ ॥ लंडविर्ग ॥ ७ ॥ गनदस
 नयनदवजननयाललामानक
 ॥ उं उदीचीमावाकययकि स्वावयु
 माकनववगसादिगिगवगुयगि
 ॥ ८ ॥ लोसामोहमननिलिनावृगुव
 आडविर्गययसंतमव ॥ ९ ॥ निन ॥ १० ॥
 ॥ अथनामालावदयावदगयन
 ॥ ११ ॥ वयाउवमगयावाकदायक
 वन ॥ १२ ॥ उं उदीचीमावाक ॥ लहस
 ॥ वालकयालहालावमयिकन ॥
 उं गदीचेद्विदिगियनसा ॥ १३ ॥ कुकम
 वनगया ॥ १४ ॥ मलनद ॥ १५ ॥ नजीवम
 लनद ॥ १६ ॥ ग ॥ १७ ॥ यामलनद ॥
 तमदीनामामलनद ॥ १८ ॥ धननिग
 लवहाववालकथकादिनयन
 मयक ॥ १९ ॥ उं गतायवमु ॥ अनामि
 कादिर्गमुव्वन ॥ २० ॥ अथवमन्ध
 नायवाकालवृजायाय ॥ २१ ॥ थका
 दिन ॥ २२ ॥ उं यउमानासूकस्यनिक
 मगयागानिमियर्थवाक ॥ २३ ॥ द
 साद्यवन्दनय ॥ २४ ॥ यवीतयय
 धूयदीवमनमकल्यददिता ॥

धनमलमायाकलनमरिर्ग ॥
 उं दवस्यता ॥ चन्दनमिर्गना ॥ निवि
 द ॥ वालकया ॥ उं यगुवा ॥
 मालकामविद्य ॥ मय्यनमिर्ग
 य ॥ सामनवालकयादिन ॥
 मिर्गकादियुगिनलवकाया
 ववयक ॥ ॥ अथथकादियुग
 गिनमामवालकयाददमका
 वन ॥ वलकिहलमादावमलाने
 वद्यवर्गगदलमालायादिर्ग
 कुसामवायक ॥ वमन्धनाययक
 ताअनगय ॥ वमन्धनायमवाक
 लवमवालकययकाकमिचक
 माल ॥ अगयानकदमयात ॥ उ
 यानखाययागधमयितय ॥ लव
 वासगयालगकायलयाकत
 यागमहामवालमयाकगयाग
 मय्यताथकाय ॥ धनिदनयवा
 हावलका ॥ ॥ गिनिकमगयाग
 विदि ॥ ॥ ॥

अथनामकवर्ग ॥ दानदिवस ॥
 पुनया ॥ वाकगयातिमुम
 ठक ॥ ॥ द ॥ गियाथिक ॥
 वेयया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

क॥सुतकथनक॥नामकनगं॥
 ॥नामकनगं॥नामकनगं॥
 चानदयक॥धिकादिनथायदक॥
 याव॥ॐनामकनगंनिमिकमा॥
 ययुजायदेक॥तिवाक॥कलम
 ॥समुज॥मगुम॥वलि॥मगु
 जा॥कीमारीवामालकादलकन
 तय॥गुलालोखविनसाकोमा
 नीमानीकुजामल॥मवीनमाम
 मेमाल॥कुसायातथाकनन
 मकुयाकालम॥दाकनगु॥क
 लमद्यनतयावथा॥मवाचनन
 नामथायावथकलमसतय॥
 लममुलितय॥वाकगया
 लममरु॥कणिययावमग
 मरु॥वेधयामुयमरु॥पू
 दयादामरु॥नदगयातिथी
 ॥मनमकु॥मनमाखलनद्वन
 लायकावनामकुयाजातकम
 लायननथीयावसमुजम
 तय॥ ॥

थमाखनथीमलमकुम
 ननदगया॥मगुवधानगुव
 क॥मलद्वननगु॥

क	न	मृ	जा	य	श	ज
अ	उ	द	क	क	रु	उ
ॐ	अ	वा	घ	का	रु	उ
उ	वि	क	रु	रु	रु	उ
५	व	कि	रु	रु	रु	उ
म	यू	उ	रु	रु	रु	उ
म	मा	ठ	य	य	न	ति
मि	ठ	ठा	य	पा	न	उ
म	ठि	य	ठा	न	ना	ता
म	ठ	यि	०	नि	ता	ता
म	अ	मृ	यू	उ	अ	ग
न	ता	उ	रु	रु	रु	खि
नि	य	जा	ठ	ठा	उ	ख
न	यि	रु	रु	जा	जा	य
न	यू	मि	ध	दि	व	खा
ध	न	यू	उ	व	अ	रु
म	म	म	इ	द	च	लि
नि	म	सा	ध	धा	ध	ल
नु	मि	द	म	च	चा	ले
न	म	दि	ठा	वि	ल	लो

गतथादिनमयुवोमिखमव
 यादवविधिथीकलनयुजा॥
 ॐयउमातामकथनामनगं॥

कललननिमित्तार्थवाच ॥ ॥
नामयावद ॥ ॐ दं विष्णु ॥ धन
या ॥ ॐ दं जालि ॥ कमलमगुन
मगुजावलि ॥ मगुम कोमावी
॥ ॐ दं विष्णु ॥ दं दं ॥ ॐ दीदी
यस्त्रा ॥ मालरुदावगयावलि
गगदल ॥ ॐ दं मगुन ॥ यानिद
नय ॥ पुत्रावमनिक्रिया ॥ मगुजा
ॐ किनामथयननवथयुनय ॥
ददवलिता ॥ ॐ दं दं ॥ मगुन
य ॐ दं मगुन ॥ ॐ दं मगुन ॥ विवि
भा ॥ जायकाग ॥ वायकाग ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
धनमामनवयकाववालक ॥
कादिनीनवयकाववालक ॥
मालावद ॥ ॐ दं मगुन ॥ मगुन
कममान ॥ निमिदं ॥ ॐ दं दं
न ॥ वलि ॥ ॐ दं दं ॥ मगुन
लखनकाय ॥ ॐ दं मगुन ॥
कललनिमित्तार्थवाच ॥ मगुन
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥

ॐ दं मगुन ॥ वालकयागलविष्णु
॥ ॐ दं मगुन ॥ विष्णु ॥ विष्णु ॥
यायवलकमामनय ॥ यानिद
मिदलकमामनय ॥ यानिद
लायकनीवसथाय ॥ वायनका
लकया ॥ जवकासनामकन ॥
वदनमाखवमकन ॥ मगुन
मालकागयाव ॥ मालकावद
यनयक ॥ वायनका ॥ थकादि
नमिद ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
वजनमिकमुदुन ॥ ॐ दं दं
यसाका ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
कावकलममकाय ॥ वालक
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
दिदकिम ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
यथकादिमगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
ॐ दं दं ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
द ॥ वाकले ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
यक ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
लखनकागयाव ॥ वालकयाग
॥ ॐ दं दं ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥
मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥ मगुन ॥

ਧੰ ੩

मं१०

॥ वाक्कलपृडाकूनसकल्यममा
ल ॥ ललिकयष्टिक ॥ वालकमान
नव्यावर्थकादिनीनलासाला
वस्त्रलिकमभाने ॥ निर्मिचनव
लि ॥ कलनपृडायाचकमृग
ध्यादि ॥ मंडलमध्यादुखाननक
चक ॥ मगरुताउचानेत्वाय ॥
मिचिनत्वाय ॥ मालकाग्रमनन
यावरुलवाननयाचक ॥ ददि
गदाने ॥ वाचनकायावकलन
लिधक ॥ चंदनादिमालीव्रीद ॥ म
रुमानगसुधिका ॥ ॥ दुखायि
खाक्य ॥ कोमावीरुडाक्य ॥
वालकनसृष्टनेकात्रयाचक ॥
वाक्कलपृडाकूनसकल्यममा
वकाय ॥ धवश्यनयनागिन
यादाइमयादाइ ॥ ॥ मिरुलवा
ननविधिइला ॥ - ॥ ॥ ॥

याय ॥ वाक् ॥ डंयजमानस्याम्
 कस्ययुगस्यान्वयानननिमित्तार्थ
 अथदेकंवेद्ययादकवृष्टिप्रद
 ॥ ॥ कलनादिवाय ॥ कलनम
 गीर्थेदकथंन ॥ समुल्लभज्जा
 ॥ ॥ ममकोमानीकुजाजान ॥ म
 पुनयादवने ॥ यवायधि वया
 वास्तानमदतमडिलमाला
 मरुजगदि ॥ कालमवागमल
 लंका ॥ यदिल ॥ धनिकामगया
 वसमुल्लभदङ्गास्य ॥ डानला
 यकायकाखा कलनयासुल
 यनिसरय ॥ ददवलि ॥ हुवन
 वहिडावाजनादि ॥ कृष्कसिधु
 म ॥ कलनयात तलममिधि
 नगय ॥ कायजलमामकुलमा
 ल ॥ काचजनमाममाल ॥ चन्दन
 यक्षयवीतययश्वलायनय ॥

वायनंनवर्थकादिनंनवकुल
 कुकर्मयाय ॥ यथमश्विधिम
 कुलकलनाश्चन ॥ ददवलि
 दिनमकलंयुजायाय ॥ ध्रुवदी
 यादिजर्गंधादि ॥ ॥ गताथ
 युदामाधन ॥ कर्मजयनमाध

नविद्यनन ॥ अमर्दनकिया
 ॥ असादनममिधकाम ॥ मगुल
 चन ॥ कलनाममनीम ॥ डंयुच
 नथखाहा ॥ डंयुतवन्दति ॥ य
 वाद्यावर्ण ॥ उकनाद्यावर्ण ॥ यद
 काम ॥ यदाकृति ॥ गिर्यवकाम ॥
 यचवावर्णनकामयाय ॥

मधविलमद्युताकृति ॥ डंदवीवा
 वमजानयतदवाका विष्णुया
 शयलवादतिमानामकुयमूकद
 कानाधनवीगममानयमदृक्कुर्व
 हा ॥ घृतनत्याग ॥ वंदयाथ ॥
 डंदवीवायचमजानयमित्यकु
 वाजानाद्ययसृतिवामवाजादवा
 मृडुतिश्कल्ययगिताजादिमाम
 ववीजाजानविष्णुआलवाजायति
 कथयखाहा ॥ वंदवाजाजाय
 त्याग ॥ गतश्रुदाम ॥ डंयाजाना
 नमनीतिखाहा ॥ वंदयाजय ॥ डं
 जयाननगन्धनमनीयखाहा
 ॥ वंदमयानाय ॥ डंश्रुदयाय
 यनीयखाहा ॥ वंदश्रुदय ॥ डं
 ॥ गानयल्लनीयखाहा ॥ वं
 दंलगाय ॥ डंयजायतयखाहा

॥ॐ वम ॥ ४ य वि ग म सि ॥ मा म न य वा
क क ७ १ था ७ न न ल का व न ॥ ॥
जा श म क ता द का दा य का व ध
या द व न च न जा न या व जी व ता
दि थ दा म ध न दा य का व ग या
जा श न ला य ॥ थ का दि नी न ॥ ॐ
स्व मि ता ॥ स्व मि थ दा म ध मा
म न वा ७ न न ल का व न ॥ य ल य
मि थ दा म ध न जा यु द न न न का
व न ॥ च गु थ दा म ध न जा यु का
य का ग य ॥ जा न मा ल का म ग न न
य ॥ क द का ग य ॥ ॥ जा श ल र्व
न दा य ॥ जा धि र्ग न ॥ ॐ न न न
न ॥ व ल क ता मि च क ॥ जा च य
च ल क स दि ग न द व न म ग न न
य ॥ थ का दि न दा म स थ या च न
जा म ग ध न ॥ थ मा ता दा ला व
य व य म का य क ॥ ॥ ॐ या ध म र
स्वा हा ॥ ॐ ग या ता य स्वा हा ॥ ॐ या
ना य स्वा हा ॥ ॐ उ दा ना य स्वा हा ॥
ॐ म मा ना य स्वा हा ॥ ॥ क जा न
क ॥ ॐ म न यान न म म दू र म म
॥ ॐ अ न य न न ॥ ध नि रु ल क य क
ता दि त य ॥ ला चु का न जा या द थ
म न या व न व य उ या दा व स्वा
ल क ॥ वी न क व ल म न ॥ ॐ ह क म
न

सिखाहादकगियाहककवमन
 आबगिप्रनेरनद्वजामाभमन
 वायासामिकमस्यकयिउलमा
 भमनाइकामममसाहुवनका
 मस्यकतामायाआयवमासस्यावमा
 वर्कवर्कमकाकांमस्यसर्वसर्वका
 मस्यान्नर्यायावा ॥ ॥नासिचक
 ॥पीवत्मादिसधिजानकइकाजा
 नक ॥इयप्रकाडययमनस्यरु
 ने ॥वा१वातामनयावकलखवा
 चकवाआनननयागुलि ॥नका
 मल्लक ॥मासमनपुष्याहावन
 यमात ॥वयय ॥लखनहाय ॥
 निगखनगय ॥मयगुद्विविय ॥

यदुदमयजायादाववालेकया
 कृत्तुथियक जनिविद्य ॥ मकु ॥
 उ०० धमातास१ सलिकमध्मासा१॥
 स१ सत्रजसादिद्यामन्था१ सा० नि
 जिमाडां तंतयदाधिषादिग्रामत्वा
 हा॥ कु० क विद्यावर्द्धमकारा ॥

शंकादिर्गलखधानायायक ॥ ३ ॥
 सथाकतमसु ॥ ॥ यथाहितनजन
 लाखनकायायक ॥ वालक ॥ ३ ॥
 जविष्टदा ॥ अर्घ्यायलखनदाय
 ॥ चन्दनसिंदूरमसुजननयक ॥

ॐ यदयक ॥ व्यादि ॥ अनीवा
द ॥ ॐ यगवा ॥ ता यनहाले ॥
ॐ मनाकृति ॥ युगिष्टा ॥ ॥ मथवा
यननव मयाननव ॥ वसमव
यावयितयन ॥ महुताथायता
॥ स्वयदवनामालकासं खान
कं ययननक ॥ धनलिवाधाव
दायकावलिमह ॥ ॥ ॥

मथयसमडात ॥ मखाकृति ॥ दन
यागिक ॥ नातिकयष्टिक ॥ वाक
वमडा ॥ मन्मकल्यादि ॥ यवध
यादि ॥ धृतदीयवृत्तिकाहाम ॥
वलिमह ॥ दक्षिणदान ॥ न
मवधृतपावन ॥ युगीता ॥ रिक
॥ वम ॥ नयुगुयान ॥ नमस्युगु
॥ ॐ आयाय ॥ मसमा ॥ उयम
धुलमन ॥ मगर्धमादि ॥ ॐ तनु
या ॥ नमि ॥ मन्मनकाकृति ॥ क्रमक
नगयावकलना ॥ रिक ॥ चन्दन
सिद्धमनुजनीवादि ॥ ॥ वालक
॥ मरुमानति ॥ युगिष्टा ॥ वलिद
खारिखा ॥ य ॥ कोमात्रीयुडा ॥
या ॥ यद्विमर्शन ॥ मृशनादिध
य ॥ वाक्यव ॥ उउमाननको
मावीया ॥ मयकाय ॥ ॥ निम

नयाननविधिः समाप्तः ॥

मथयुगकनगकधुलिदाविधिः
॥ दक्षि ॥ ल्यनव विद ॥ ल्यनव
द ॥ ल्यनव ॥ ॥ नकर्मधकादिस्य
यावदकयाय ॥ ॐ ममकस्यवृडा
कनगकधुलिदनिमिरुकेमाय
दे कयवीदकवृद्धि ॥ वाक्य
मृशानीविधिधयवाकया
य ॥ वाक्य ॥ ॐ ममकस्यवृडाकन
गकधुलिदगनगुननाममकन
निमिरुके ॥ ॥ विधिधयमनया
यनदवृद्धकावाय ॥ ॐ उयनय
ममवृद्धनकासूत्रविधिक्रिया ॥
शकननगननुकोमात्रीसूत्र
रित ॥ दक्षिणवर्कनीयसंवासा
वर्कमिया ॥ मृता ॥ आदियादिक
मनेवया ॥ उयकृत्तमालिक ॥ वि
मान ॥ यनमया ॥ उकावमृद्धि
वक ॥ युगीनगविधानम्यामीन
यी ॥ नुस्वमिक ॥ ॥ नववृद्धका
याय ॥ धनि ॥ ॥ आर्दलवर्कचय
उनडादीमदनमथा ॥ यागिमाती
वमस्यनियुगलजाममकर्त ॥ ॥
मृशधिकनगननुगनाचनविला
यथा ॥ युगकधुलिवाहयथा ॥ उय
मृहमो लिका ॥ ॥ यालचि ॥ न

नदुःखान्तरालमदन्तरालमया
 प्रकृत्ययतायजदन्त॥धर्मिणी
 य॥इमेयायप्रकथ॥थवनयवाक
 तयावमलिमितायुक्तगय॥नव
 यतिद्वयुनीर्ममकनिद्रतागना
 जर्म॥हृन्मनर्थममुदुवसुव
 लिशखवम॥हृवतश्रुतामकीः
 मानीमृग्यालमादिनय॥॥युज
 न॥॥उंमयादि॥ययराजनी॥य
 धमुनूउयकनयुजा॥नेवेद्यवलि
 रुजा॥यीरियुजा॥यितायनिम
 कुतश्चाय॥॥उंगमनान्ता॥॥उं
 रुम्यन॥॥उंनमासुमथय्या॥॥उंम
 उद्यकलर्ग॥॥उंदधिकार्यो॥॥उंदीघा
 यम्ना॥॥उंया॥रुलनी॥॥उंयनम्नाः
 दिन्वा॥॥उंरुमालिका॥॥उंमाकृष्टु॥
 उंनम॥॥रुवाय॥॥ययुसमिपु
 निद्रा॥॥उायमागु॥॥नवययादि॥म
 गुर्गधदि॥॥रिंमनत्रलिथकादि
 नीलवक्राय॥॥कमानलखधवाथ
 र्यलासालावध॥॥स्वस्तिकस्वत॥नि
 र्मकुतादि॥॥मर्धयागाम्नामर्ध्याः
 द्य॥॥स्वानननक॥॥मगरुताउचान
 लाय॥॥कमलाम्॥॥कोमानीकाम्
 ॥॥कमानयाकलाय॥॥ननवृन्दका
 वाय॥॥निलिर्वदन्त॥॥नयवउ॥

कायलमययमदवानमयदावदु
 मसतय॥॥कमानयालाहागमथ
 तनस्वस्तिकवाय॥॥ननवृन्दका
 लाहागमय॥॥वाक्त्रवयुजा॥॥क
 दिवमिथकाणीधोदयर्थनी॥
 विमर्तनी॥॥॥मरुमानगियुतिष्ठा
 ॥॥॥लासालावयममासधमृया
 यक॥॥स्वस्तिकस्वत॥॥ममुदधनिः
 यवनधियक॥॥ययकलकसधु
 य॥॥चायुजा॥॥कामालकमानया
 क॥॥कोमानीयामाकृसकायाव
 ननवृन्दका॥॥नयननकिचक
 ॥॥वदरावहनिदावा॥॥इमनराइकि
 लकानधुनक॥॥॥गिदुमन॥॥

तन॥॥यागलादिनियकर्मकृत्वा॥॥य
 ठिगयक॥॥वक्राष्टकलमयिताय
 की॥॥तागयकयकणीजीलक्ष्मी॥
 रुथकृष्टवायकमाल॥॥यितायकी
 उमनिनिवाकृनिनीमायावका
 य॥॥॥वक्राष्टकलम॥॥नगयक
 यदणीजीलक्ष्मीवली॥॥नउजा॥॥न
 मस॥॥ममुदधमवक्रगय॥॥वन्दनम
 धुलमवाकरुनिगय॥॥॥यिवह
 मलनय॥॥ममिध॥॥इविल॥॥उलमि
 याहल॥॥वर्लनन॥॥यिलकहल॥

अथवा वाचनवक्ता येन याचक ॥
 चर्थक ॥ कलन धवश्चमन ॥
 गृह ॥ यद्वसती वत्सा ॥ दक्षिणमय
 ल ॥ यन्निमसधुज ॥ उक्तवसकलन
 ॥ मधुमर्ण्य ॥ उद्धमकृग ॥ वक्ता या
 जवसह ॥ स्ववसयामन ॥ यद्वय
 कवीहचन ॥ ॥ अथर्थादिनीन
 वाक्तावालासालावर्चनलिमचन
 ॥ नर्मकृग ॥ नद्राहर्त ॥ वलि ॥ उंम
 धवा ॥ लखनदान ॥ उंमृमिन ॥ उंमृ
 ॥ कुमात्रयानत्तानननक ॥ वक्ता
 दिस ॥ अर्धचन्दनययधुयदीयन
 येशादिक्ताग ॥ ॥ पूलवधुवदाडा
 मङ्गलवन ॥ यिवनर्थकादिनीन
 लासालावदगयन ॥ र्थादिनी
 नर्मगृगाउवा नत्ताय ॥ समुल
 नत्ताय ॥ यवाक ॥ उंमृगमासध

नमस्तस्मै ॥ ला ॥ हा ॥ क ॥ उ ॥ च ॥ क ॥ न ॥ म ॥
 मा ॥ ग ॥ य ॥ ध ॥ न ॥ वा ॥ य ॥ नि ॥ त्री ॥ र्घ ॥ द ॥ न ॥
 मा ॥ स्त्र ॥ य ॥ म ॥ गु ॥ न ॥ क ॥ मा ॥ न ॥ य ॥ क ॥ ॐ
 का ॥ लु ॥ क ॥ अ ॥ गु ॥ न ॥ त ॥ ला ॥ ट ॥ ह ॥ द ॥ य ॥ र ॥
 स ॥ द ॥ य ॥ ध ॥ द ॥ य ॥ र ॥ द ॥ य ॥ र ॥ म ॥ ॥ ह ॥ न ॥
 र्ध ॥ न ॥ ॥ ह ॥ न ॥ क ॥ र्ध ॥ न ॥ ॥ ३ ॥ का ॥ त ॥ य ॥ क ॥ न ॥
 ध ॥ नि ॥ थ ॥ म ॥ ॐ ॥ दी ॥ र्घ ॥ य ॥ स्त्र ॥ ॥ च ॥ द ॥ स ॥
 न ॥ द ॥ न ॥ स ॥ गु ॥ ज ॥ नी ॥ वी ॥ द ॥ ॥ म ॥ रु ॥ म्मा ॥ न ॥ नि
 य ॥ नि ॥ द ॥ ॥ मा ॥ स ॥ ध ॥ य ॥ य ॥ र ॥ क ॥ य ॥ न ॥ य ॥
 न ॥ ॥ ह ॥ य ॥ ॥ क ॥ मा ॥ न ॥ उ ॥ य ॥ न ॥ य ॥ य ॥
 क ॥ ॥ मी ॥ उ ॥ ह ॥ य ॥ क ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथ कृष्णविक्रमसंवायविधिः ॥ १ ॥
 कादिन ॥ ॥ ॐ कया नम्रिग ॥ यनि
 सननी ॥ रं ठि चा का य य ॥ गता य
 थ ॥ २ ॥ विधि मकुं ज कल न्ना चन ॥ ॐ व
 क्र ॥ य जा य नि मृ क थ ॥ ३ ॥ कल न्ना
 य ग ण य त्या दि मा ॥ ४ ॥ य ८ म ग ण य
 नि वा न य ८ ॥ ५ ॥ द मा म र्त्त १ य र्था ॥
 ग मा द न्ना चन ॥ ६ ॥ ग त्वा या मी र्त्ति नि
 ॥ ७ ॥ व क्र ॥ ८ ॥ १ ॥ १ ॥ मा म ना य १ ॥ १ ॥
 न ॥ यी नी यी नी च पु ष्ठा र्त्त व क्र ॥ १ ॥
 पु त्रान र्त्त ॥ १ ॥ स या नी च वि शर्त्त म
 द मा ला क म णु र्त्त ॥ १ ॥ व क्र ॥ १ ॥
 न य र्था १ ॥ व द ॥ १ ॥ व क्र ॥ १ ॥
 व क्र ॥ १ ॥ य जा य ग थ ॥ ॥
 य र्त्त क र्त्त म पु जा ॥ १ ॥ व त्स म ॥ १ ॥

लिवातामासिस्त्रागमयिगानमर्कः
मुमामादि०मी॥ नवयामधियामर्कः
॥३॥ निवर्कयाम्याययनाशायय
उतनायनायस्यायायसयजाय
स्त्रायमदीयाय॥ रुदनमर्कः॥३॥
यनाययस्त्राविनाकुवगमाम्याना
रुवनगस्यावद्यानानवक्राणव
यनंदमस्यायर्कः३ वेदक्षियथमर्कः
॥ धनकधेदमुल्लगमममर्कः॥
धनिदक्षिण॥

धन॥ खालजान॥३॥ लिवातामा॥ स
थिय॥३॥ निवर्कयाम्याय॥ रुदनमर्कः॥३॥
यनाययस्त्राविनाकुवगमाम्याना
रुवनगस्यावद्यानानवक्राणव
यनंदमस्यायर्कः३ वेदक्षियथमर्कः
॥ धनकधेदमुल्लगमममर्कः॥
धनिदक्षिण॥

धन॥ खालजान॥३॥ लिवातामा॥ स
थिय॥३॥ निवर्कयाम्याय॥ रुदनमर्कः॥३॥
यनाययस्त्राविनाकुवगमाम्याना
रुवनगस्यावद्यानानवक्राणव
यनंदमस्यायर्कः३ वेदक्षियथमर्कः
॥ धनकधेदमुल्लगमममर्कः॥
धनिदक्षिण॥

य॥ यमादी॥॥ मयानक्रमसमलम
लनरावनायाय॥३॥ रुदनमर्कः॥३॥
यनाययस्त्राविनाकुवगमाम्याना
रुवनगस्यावद्यानानवक्राणव
यनंदमस्यायर्कः३ वेदक्षियथमर्कः
॥ धनकधेदमुल्लगमममर्कः॥
धनिदक्षिण॥

गुणदक्षिणायामाय ॥ ॥
 वसुविद्य ॥ उं वसोऽयं विष्णु ॥ अर्जुन
 कानादिविद्य ॥ ॥ सत्तावसवाक
 रुदिनानवृद्धकागयावृत्ताया ॥ उं
 स्वदिनामिमीता ॥ नगवृद्धका
 नकावा ॥ उं सद्रुमा ॥ निमद्रुम
 सावाकागवृत्ततव ॥ नासामीसा
 नारुनवयवाचीनामखाकृति ॥ ॥
 सादयिगिनिविद्य ॥ उं यडायनन ॥
 यवाकृतिदावृद्धय ॥ चन्द्रनमि
 दृवाणीवृद्ध ॥ अतिनिनत्वाय ॥ उं न
 मर्लरवाय ॥ ॥ कामानमल ॥ उं न
 ववाय ॥ चाकुरुदिन ॥ उं वृद्धस्य
 नृगिनसिवायनाममर्गद्विहित
 कामाजलसामामर्गद्विहित ॥ ॥ गितः
 ल्वनमाधन ॥ आद्रुति ॥ यूयु ॥ उं
 वृद्धयकृत् ॥ आद्रुति ॥ उं नमर्लरवाय ॥
 विष्णु ॥ आद्रुति ॥ उं नमर्लरवाय ॥
 धमोयालनवाववा ॥ वातत्वा
 य ॥ मरुत्माननियगिद्धा ॥ उं मनाः
 रुति ॥ ॥ नगमर्लरवाद्रुति ॥ नाजाद
 न ॥ नमिकयादिक ॥ वाक्कणयू
 ॥ ॥ अध्यायादि ॥ वलियूजा ॥ न
 वृद्धदर्शन ॥ यायविरुद्धाम ॥ व
 लिहृनर्णदिकि ॥ नदार्न ॥ नम
 चयामन ॥ ॥ नगयूयु ॥ उं दवाः

मिले

नायु ॥ उं मायाय ॥ मर्मसायधन ॥
 जायकाय ॥ अगर्गधादि ॥ उं ननुया
 ॥ ॥ यद्रुविमर्लन ॥ मृथानादि ॥
 क्रुत्तनगयावृत्तकालस्वनमरिष
 कं ॥ चन्द्रनमिद्रुनमगुमणीवृद्ध ॥
 मरुत्माननियगिद्धा ॥ ॥ कलनका
 या ॥ वक्ता ॥ कमितयाग ॥ जीवन्म
 यवादिन ॥ यद्रुजा ॥ मियाग ॥ ध्व
 उमिर्धकादि ॥ कलनसार्धकादि
 ॥ कामनकाकथकादि ॥ मरुत्मा
 यान ॥ रुगचिषकान ॥ नरवृत्त
 ॥ ॥ नीलक्रीकमन ॥ वक्ता ॥ रुग
 मासगयावृत्तकालस्वनय ॥
 विवर्तनकमानवाडगदयाव
 धगुलिसमिषकविद्य ॥ ॥ न
 यकाडकाय ॥ दुखाधिखाकाय
 ॥ कामानीरुताममाल ॥ यसाद
 यिगिनिमिनिननवृद्धकाग
 दिनथवश्वगुलिसमय ॥ ॥ काः
 निनियाग ॥ मखादागुलधनि
 वा ॥ नयावखामर्गवयमलि
 र्मतवयायक ॥ वाक्कणकाई
 ॥ यद्रुलिर्वनव ॥ सतिक्कृन्तव
 ॥ दगुलिसयूजा ॥ रुगि ॥ मरु
 वदयकाडमवाकाय ॥ वाक्कण

वाक्यमुलियासकसतनाहनक
॥ गिचुठाकधुलिदश ॥ ॥ ॥

पथवदुक्तमयनियानिलिया
नकसक ॥ यथाकयायुजायादा
इवकाशाचक ॥ वानधखयक ॥ द
दनकगजयनियोरियुजायादयक
यायर्थकादिने ॥ यदुक्तव ॥ वक्र
कलसनागनायययययययय
नीलीलक्ष्मी ॥ नायकाउयुमाद
धितिनिलि ॥ स्यादकाय ॥ धवि
नानकाय ॥ वक्रासदधनधति ॥
॥ गय ॥ गउ ॥ लचिकीधन ॥ वा
कादिमैल्यथाचक ॥ ॥ वाक्रेषया
कसदयला ॥ गकनर्यायादम ॥ द
गियाचकादग ॥ द ॥ वेधयादा
दग ॥ धतिवयसडयनयन ॥
॥ ॥ दसनक ॥ यादित ॥ उमिआ
यार्थ ॥ धकादिधकादिनी ॥ कौश ॥
मालकामि ॥ नमियाचक ॥ नान
नियकमि ॥ दिधनक ॥ ॥ धका
दिस्यावदकाय ॥ कोमानीय
जामाल ॥ ॥ वा ॥ उंयउमाना
मकस्यडयनयना ॥ मा ॥ मिमध
नमयगीयदानवदानकय

निमिरुक्कमायदेवकयवाक
वृद्धिभद्व ॥ वायडा ॥ नायनिम
कनकाय ॥ ॥ आचार्यस्यदसन
याचक ॥ यथाविधानत ॥ कम
ला ॥ गउ ॥ ॥ नगवृद्धकावाय
माल ॥ वाक्रेषयायुजादकि ॥ वा
यनजालनरियकायालीवादा
मरुमाननियुगि ॥ मासधा ॥ य
दावला ॥ मलचसन ॥ कोमानीय
जाया ॥ मा ॥ सधयनधियका ॥
नगवृद्धकागालन ॥ नगवृद्धका
मद्यायधति ॥ आर्दलवर्ण ॥ ॥ य
दिकम ॥ ॥ मासनवम ॥ ॥ शिव
कक्षिय ॥ निगन ॥ ॥ दसनकाश्चिक
लकान ॥ वृत्तानिर्गयाकिनाया
लावदन ॥ धतिदुधक ॥ ॥

मतिकृद्घतिगयक ॥ यगनादि
नियमैकता ॥ वक्रादिमष्टक
लननायकयदुगीनीलक्ष्मी
मालकाय ॥ यहुमधुल ॥ ना
यकउ ॥ गय ॥ मलधन ॥ ॥ म
निनिकाय ॥ मल ॥ गय ॥ शकतिनि
॥ धमागालमास्यदकाय ॥ याव
दकायार्थकादिने ॥ आचार्य

गविधिधुवक्राचुन ॥ यधन ॥ म
कलनधवशममय ॥ वृणक
मधायो ॥ नागयकयकणी
लकीधवशमसदन ॥ ✱ ॥
वाक्रवयाशनमायनचगुवका
माक्रय ॥ माक्रयंहुवक्राचननि
याय ॥ ॥ यक्रमयुयसयंकलस
वाक्रवयालासालावस्वमिकस
स्वन ॥ निनयन ॥ निमिचुन ॥ उं
नक्राहन ॥ चययगिवर्न ॥ उंमध
वा ॥ वाचकमधयगलखनहा
य ॥ उंस्वमिन ॥ वक्रादिया
कस्वानगनक ॥ चन्दनययधूय
दीयमागययैकधनक ॥ ॥

गगयलयगुडावावमाक्रालड
न ॥ ॥ थकादिनदवयुजायाय ॥
धधनकडावाक्रवचानिक्क
यानिमिचुनयादावदुनयनला
सालाव ॥ यूर्वालिमस्वनस्वमि
कसस्वन ॥ येननिमिचुनादि ॥
वलिवचक ॥ दवस्वकगनक ॥
चन्दनादिमार्ग ॥ उंउल्लाचुड
॥ मतरुगाठवातमगुवनलाय
॥ चन्दमगुनरानलाय ॥ उंस्वमि
वाचनय ॥ ॥ यनदवयाक

निमाक्रय ॥ मयुन
यकनगय ॥ उंकागुग ॥ वाक
वचायाकंकाय ॥ मृद्विलला
रुमदुदिउंघया ॥ यदया ॥ मृ
द्विकमय ॥ यादमृद्वीकंमिचय
न ॥ यनधमसकनय ॥ आउंदी
घीयस्वा ॥ ॥ चन्दनमिदुनमना
लीवोद ॥ मयुमावगियगिद्व ॥ उं
मनादुगि ॥ मासधमृयाय ॥ ला
सालावदवठानकावकुव ॥ उं
मस्वमिकसस्वन ॥ नउयुजाया
डाउखालकुलनदकिनीका
य ॥ चयुमगुलसमयय ॥ मखा
चक ॥ लमियाचक ॥ माउक्रय
क ॥ अनवमनगयकावग ॥
धनिमाक्रयविधि ॥ ✱ ॥

गगवाक्रवयाथकाठिनीनला
सावयक्रमयसयकलिसस्व
मिकसस्वन ॥ वसाचक ॥ निमि
चुन ॥ उंनक्राहन ॥ वलि ॥ उंमध
वा ॥ मधयगदकनहाय ॥ मग
रुगाठवाठनलाय ॥ मगुवनला
य ॥ वक्रविय ॥ उंवसायविग ॥
थकादिनदनींकाय ॥ उंगाग
नमिद्व ॥ गगवृन्दका ॥ नकाय

यक॥३॥सहस्राणिमह॥यसादधि
तिनिविद्या॥३॥युजायतन॥मनिनि
नत्वाया॥३॥नमः॥३॥रवा॥३॥मान
मल॥३॥नववाय॥३॥वदावनदाय
॥३॥दनमिद्वनमयुधनीवादा॥मरु
मामनिपुनि॥३॥मनाहृति॥मा
मधालियाचकाडावाक्कादिदा॥
काडाकुरिर्नर्माचकस्मिकमस
॥३॥स्मिना॥३॥धनरुर्निवदि॥माय
३॥सामथकाडानक॥गायधविध
गतक॥३॥नगवृन्दकारुणितिका
कायाडामलावमन॥३॥धनिरुर्
चायविधि॥ ॥ ३ ॥

मथयुनस्यकिलुक्मण्डामया
य॥॥यथा२॥विधानतकल्लाचनी
॥३॥नार्थयदामाधन॥३॥यनमनक
मादाय॥३॥नार्थयदामाधन॥३॥यनमनक
यथक्तना॥॥३॥कमानवानासि
चकाडाथकादिनीतलामालाडाय
रूयायकलिमयधिमामिमयन
खन॥३॥कमानवानानमालादिम
नकनगनतियमाल॥३॥धनरुर्नग
युर्वमासायान॥॥३॥कमानवानगु
नमधुलमयुजायाय॥॥३॥कमान
वान॥॥३॥मयादि॥३॥यजमान

वदानयनयनानामोक्षवचनमय
गीयदानवदानरुगुत्रानामकुलम
धुलार्चननिमित्तार्थ॥३॥मयथावक
तन॥३॥आकृष्य॥३॥मासाध्यागु
जा॥३॥नादावयास॥३॥मासयुजा॥३॥गु
म्कमासनन॥३॥युर्ववदाधन॥३॥गु
नमरुकेय॥३॥दमासन२॥यथ२॥या
दाधरुसाधेयन्दनयकायवीनय
धुयदीय॥३॥गुर्गंधादि॥३॥माग॥३॥कली
जलिबद्धा॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु
नर्वक्तागुनर्विषुगु॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु
लिगमलीगुनर्वनम॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु
धुलति॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु
धादि॥॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु॥३॥गुनर्वक्तागुनर्विषुगु
न॥३॥चनदनादं॥३॥धादकनरुमि
मिचयत॥३॥मयकटलमदनय
विगामिवसुधवा॥३॥गदायनमनाध
यमिवामिगंधवाविग॥३॥वामक
नार्थयदामाधन॥३॥यनमनक
नयत॥३॥माकनकृच्छ्रनकथन
॥३॥ल्लधितायुधित्रीयनलयिता
गंधवाविग॥३॥युर्वकनमकृतायार्थ
इकृतामकृताय॥३॥रुजन्मस
यत्थायमिदुजन्मसयत्ता॥३॥गद
तकमसृगजन्मजन्माननवय

॥ उं क न यृ क्ति डालि कृत्वा य म यं क
क न य न सा अ ख गु म धु ला द्रु य गु ना
न य नि व द य न ॥ उं य य म वि वि क
का धं न डाय न वि वि ध क लं न त स र्व
रु म्भ ता द व न द नु ल व स र्व द ॥ ॥
रु म्भ य द न्ता मी ग वृ धु न म धु ल क
न य न ॥ त ग ल जा वि क य न ॥ य व
क न य च ल न य यि थ म १ ॥ धं द
२ ॥ धं द ५ ॥ धं द ३ ॥ धं द १ ॥ च न्द
ना द य द्वा य वी न य य न य ॥ न व म
ग १ न य ॥ आ श्रु द न व म ग य ॥
त ग य रू य न ॥ यि थ म ॥ क न न ॥
उं ॥ द्वा य २ ॥ उं म्भ य २ ॥ उं य मा
य २ ॥ न मृ य २ ॥ उं व न्ध य २ ॥
उं वा य २ ॥ उं क व न य २ ॥ उं ॥
ग न ता य २ ॥ उं म्भ म २ ॥ उं ड द्वा य
२ ॥ १० ॥ ॥ धं द ॥ उं आ दि द्या य २
॥ उं सा सा य २ ॥ उं म्भ न य २ ॥ उं
व धा य २ ॥ उं वृ द म्भ य २ ॥ उं गु क
य २ ॥ उं ग न न्ध न य २ ॥ उं न र व २
॥ उं क न व २ ॥ ॥ धं द ॥ उं म्भ य
दा य २ ॥ उं य रू व द य २ ॥ उं सा म
व द य २ ॥ उं म्भ य व द य २ ॥ ११
॥ म ॥ उं च न्द म धु ला य २ ॥ उं
मृ य म धु ला य २ ॥ उं म्भ म धु
ला य २ ॥ ३ ॥ ॥ ग न्ध म धु ला य

[illegible]

25

20

15

10

5

0

मानवाकूलमनयाचक ॥ पुन
 नयप्रिमामिस्वयादातामि
 य ॥ पुनवमपुनमनयादातामि
 यगीनन्याय ॥ कमानया निव
 मिजयत ॥ मयगीनधन ॥
 लीपुनमोक्त ॥ पुनवकमानया
 याचमुल्लिखतदाय ॥ डियविग
 श ॥ पुनवमकमानयागीनजय
 लयाडाविय ॥ ॥ इयपुनवक
 मोवाअधवासनककुतिनति
 यक ॥ मनु ॥ डियननुयवृहस्य
 तिर्वामययनधदमृगीतन
 लायविदधम्यायुधदीर्घाय
 स्त्रायवलायवस्त्रमे ॥ मननम
 कुलमयलावद्वयत ॥ तगम
 यलाया कमानयामजितयय ॥
 मयलामोक्षीगदामयकुलमया
 वाकूलमधनपुनमयीनाडय
 स्यमोदालगाविणयमयीवे
 स्यमाविगीपुनममामृष्टकाया
 ॥ ॥ यविगल्लिखतदायावमोक्ष
 मयगीनजयत ॥ मंजुगंधि
 थिय ॥ चगुलियथिहादिदिहा
 डामालगियक ॥ थथिगंधिहागु
 लिदयय ॥ ॥ कमानयानकुल

तिलजलधुनानुथिडादाता ॥
 मनु ॥ डियननुयवृहस्य
 नायपुनयाविगयनगीममामन
 ॥ योमयानायाविलमादधाना
 स्त्रमादधीमरुममखलय ॥ डिय
 मयममगुममर्जल्लिखतदाता
 निवदवानस्ययययविलमा
 ध्वनिनगाखावाडागुनेपुनवम
 यगीममकदवगममोवक
 वक्रवस्त्रमाय ॥ पुनवगुलियति
 धुनानिलकलजल्लिखत ॥ पु
 वयनध्वनिगययगीयययुधय
 कर्म ॥ डियननुयवृहस्य
 मंजुगंधिगययमनु ॥ डियवामवा
 मायविगीगमामन ॥ मड ॥ ययि
 वगियायमान ॥ गंधीनामधक
 वयडनयगिसाधमनमाद
 वयक ॥ ॥ जानाविग ॥ कर्वक
 यक ॥ पुनवममयगीनन्यामया
 य ॥ डियननुयवृहस्य
 त ॥ गंधीयनागदवयययुधमा
 दवगाययमयिगदवयययुधम
 पुजायति ॥ मकमवायदवयय
 ययवगधममनवममवदवय
 ॥ ययनवगनुक ॥ ॥ पुनवय

मनि ६

cmnts.

5

10

15

20

25

30

35

दध्नागन॥ वाच॥ मदन॥ यचकम
 ॥ हृदय॥ उंथाव॥ निवगमानम॥
 ॥ तस्य राजयनरुन॥ वाच॥ उं॥
 तात्रिवमागर्ग॥ निवमि॥ यचकया
 यकिन्वथ॥ हृदय॥ मायाजनय
 थचन॥ वाच॥ ॥ यन॥ मुन॥
 लीखविय॥ कमान॥ शा॥ लिता
 मृथार्थकावयन॥ ३॥ ॥ कमान
 वमृथमदी॥ उं॥ उदय॥ जागव
 दमंदवचनिकनव॥ हृदय॥ विष्ण
 यमृथ॥ १॥ उं॥ विगंधवातामदन
 दतीकचकमिगसावगसा॥ १॥
 मायायावायुधित्रीमकनिद॥
 यमाताजगमदय॥ २॥ उं॥ गंध
 इद्वरिगयवसाकुकमचनताय
 ॥ ममनद॥ गं॥ उं॥ वननद॥
 गं॥ गृण॥ यामनद॥ गं॥ युववाम
 ननद॥ गं॥ मदीनाम॥ ममनद
 ॥ गं॥ रय॥ गं॥ नद॥ गं॥ गता॥ मृथ
 कगनक॥ लीखममध्वेदन॥ ॥
 मुन॥ कमान॥ यदयदेमधिस्यति॥
 उं॥ ममवतदयदधमिममचिक
 मनचिकन॥ २॥ ममवाचमक
 मनाइववृदस्यतिमिस्त्वानिय
 वकुमद्य॥ ॥ मावाथनकमा

नयालाहातडाडातामयवल
 दन॥ उं॥ कानामासि॥ कमान॥
 ॥ उं॥ गंध॥ ममयचयवलली
 मुकतामममदी॥ ॥ मुन॥ क
 सवकचयामि॥ कमान॥ ॥ रव
 ग॥ ॥ मुन॥ ॥ उं॥ मनिगार्थमि॥ क
 मान॥ ॥ रवग॥ ॥ मुन॥ ॥ उं॥
 दस्यवकचयामि॥ कमान॥
 उं॥ रवग॥ ॥ मुन॥ ॥ उं॥ मममाच
 यमवासी॥ कमान॥ ॥ उं॥ रवग॥
 ॥ ॥ मावाथनकमानयाडावला
 हागडाडायाय॥ ॥ उं॥ रवग॥
 विदधमि॥ उं॥ यजायगयत्वायनि
 दधमि॥ उं॥ दवायत्वामविगयनि
 दधमि॥ उं॥ यावायुधित्रीयात्वा
 यनिदधमि॥ उं॥ वि॥ ययत्वाद
 वय॥ यनिदधमि॥ ॥ रय॥ ॥ उं॥ म
 रय॥ रवग॥ यनिदधमि॥ ॥ म
 निदधमि॥ उं॥ ॥ ॥ हृदयनरुलक
 मयलिवि॥ रवग॥ गता॥ मुन॥
 कमान॥ नवदुजालियाया॥ वयादि
 मादि॥ मुन॥ कमान॥ यमनिक
 मुन॥ यकाडा॥ मुन॥ यजवमस्यन
 ॥ मुन॥ कमान॥ यकननधियकी
 ॥ मावाथनकमान॥ यममिधरा

मं॥ उवममनकलनरुसवद्वय
॥ अग्निद्यानाम॥ उं समरुवाने
य॥ सथायमर्थ॥ उं गूतगुदावी
र्यम॥ उं कवाद्यानर्न॥ चक्रहर्म
॥ सकजिह्वाहर्म॥ ययवात्रर्न॥
वक्रायणीगवदलाकयालयजा
यगिरुसकलननागयक्रयद
नीलीलक्ष्मीगधकगुयालमय
मयश्रुमाकुमात्रीअग्निनीधु
गाद्रुगिर्मलवधुगयधीतनिधु
य॥ अग्निधुगाद्रुगियुधु॥ ० ॥

धनमायाश्रयुजन॥ कुमावद॥
उदमासनादिहसाद्यचन्दनयद्रु
यवीगययधुयदीयदक्षिणादानं
॥ वीरियायद्रुय॥ धुगाद्रुगिकर्म
धनकलममिलाद्रुगियुधु॥ कर्म
॥

गम॥ पुन॥ कुमावदलनाकन॥ अ
वाथेगकथन॥ कुमावदमवगवा
टधाय॥ पुन॥ समधर्म॥ ॥ पुन॥
गवक्रचयमीति॥ कुमावदगवा
धीति॥ ॥ पुन॥ ॥ उं आयासार्नक
न॥ वदना॥ उं अमामि॥ ॥ पुन॥ ॥
उं आवाथेकर्मकन॥ कुमावद॥

कनवासि॥ ॥ पुन॥ ॥ उं दिवासर्क
माकन॥ वदना॥ नसकामि॥ ॥ पु
न॥ ॥ उं वायययचु॥ वदना॥ यचु
मि॥ ॥ पुन॥ ॥ उं निखस्रोयगव
॥ वदना॥ उं वार्द॥ ॥ पुन॥ ॥ उं नि
संधायासर्नकन॥ वदना॥ उं वा
ट॥ ॥ पुन॥ ॥ उं मधुमसिवर्नक
न॥ वदना॥ उं वार्द॥ ॥ पुन॥ ॥ उं
अगम्यागमनवर्नकन॥ वदना
॥ उं वार्द॥ ॥ पुन॥ ॥ उं अचययकि
न॥ व॥ वार्द॥ ॥ पु॥ ॥ उं पुन॥ पुन॥
वर्नकन॥ व॥ उं वार्द॥ ॥ पु॥ ॥ उं द
धमवर्नकन॥ व॥ वार्द॥ ॥ पुन॥
॥ उं वदयावर्नकन॥ व॥ उं वार्द॥ ॥
पुन॥ ॥ उं यावहादयमार्मगाव
धुर्नचनमि॥ व॥ वार्द॥ ॥ पुन॥
उं पुन॥ कन॥ उयानन॥ पुन॥ निजयः
दादिवर्नकन॥ व॥ उं वार्द॥ ॥
पु॥ ॥ उं पुन॥ कन॥ उवावनादनेउवात
वाथिवर्ननीयकन॥ व॥ उं वार्द॥
पु॥ ॥ उं मासर्थादिवर्नियकन॥ व॥
वार्द॥ ॥ पु॥ ॥ उं लयालयनरुगम
नवर्नकन॥ व॥ वार्द॥ ॥ पु॥ ॥ उं
अदकादानवर्नकन॥ वदना॥ उं
वार्द॥ ॥ तमायद्रुयायकलिसक

वृक्षमनयादाकमानवायुवालि
 मूखनमन ॥ मुनयप्रिमालिमूखन
 ॥ उं २४ स्वाहा ॥ उं वक्रयकूर्त ॥ उं सुव४
 स्वाहा ॥ उं ॐ दं विष्णु ॥ उं स्व४ स्वाहा ॥ न
 म४ नीरावाय ॥ वृक्षमनवायुवालि ॥
 मयगी ॥ १० ॥ आकृतिवृक्षनस्युलेन
 कमानवा ॥ ॥ मुनयप्रिमालिमूखन
 वात ॥ वाक्कृत्वायुवालिमूखनेवान
 ॥ मुनयकमानवायुवालिमूखन ॥ ॥
 यथामुनयप्रिमात्रम्य ॥ मयगीन
 न्यामयाय ॥ ॥ उं यथादयादकाय
 रुत ॥ ॥ नत्सविष्णु४ मसुवायुनिम४
 ॥ उं वक्रयकूर्तनीत्यनिम४ ॥ उं र्गम
 दवस्यमधमायनिम४ ॥ धी म हि
 मूनामिकेया ॥ २ ॥ धीथायान४ कनि
 स्वायि ॥ उं यथादयात्कननवायि
 ॥ ॥ नितिकनन्याम४ ॥ ॥ उं नत्सविष्णु
 रुदयाय ॥ ॥ उं वक्रयकूर्तनिम४ स्वा
 हा ॥ उं रुर्गमदीदवनिखायवोयट ॥ उं
 धीमदीकववायक ॥ उं धीयाः
 यान४ नतायवयट ॥ उं यथादया
 वृक्षमनवायुवालि ॥ ॥ नत्सविष्णु
 ॥ ॥ यथायामि ॥ उं २४ ॥ वक्रयक ॥ उं
 सुव४ ॥ वक्रयक ॥ उं स्व४ कृष्क४ ॥ उं
 रुं रुं रुं ॥ मयगीनमूखवायुवा

स्य ८

कनमिचन॥ आचार्यकमानवद
र्ष॥ उंयथादयागमकुययु॥ ॥
अकुवयाद्वर्ष॥ उंनमविउद्वेदया
यनम॥ उदयताउर्न॥ अममनि
नमियादद्वयनागेकननम्यु
त॥ निनमिहदियादर्ममाहुर्न॥ ॥
नत॥ कमानवग्यामकल्यनायाय
॥ पुननयउयाडा॥ बाधयामरुगु
द्विनालययदिग्रधर्न॥ अग्नियाका
नमानवत॥ उंमुखमावर्कनीहुर्न
वीजनामा निजाउयत॥ लखवर्षवा
यवीजनदरुर्नवक्रिवीजके॥ अ
वावर्न॥ कवीजवर्न॥ एनामृताकर्ण
॥ ॥ अथकमानवचाननययाडापु
नदीमयगयुदान॥ ॥ यथम॥ उं
गमविउवर्न॥ द्वितीय॥ उंउव
रुनेदवस्यधीमहि॥ गृमार्थ॥ उं
रुउव॥ अधियायानयवादया
त॥ वयुर्ष॥ मावीणीचमर्षान्या०
त॥ मयगीचमर्षय०॥ वाजय
स्यगृष्टरुमावि॥ वेन्मस्यमावि
गीजगमी॥ मर्षयामयनी॥ ॥ अ
नीवीव॥ माहुनियूष्म॥ उंवत
नदीकामायातिदाकायातिददि
॥ ॥ उं॥ उं॥ उं॥ उं॥ उं॥ उं॥

दि ८५१

मायगस्त्राहा॥३॥मनाहृति॥पनिष्ठा
॥॥पुनर्लोकमानवायुक्रमधुयथा
यकाउजवयाविनीगयाववदन
मन्त्रिकर्मसायक॥कालाचिह्न
वसिंहायुदाय॥मन्त्र॥उदकनागि
कचयुद्धिकुंठ॥सिंघुनतायुयम
ध्वज॥३॥मन्त्र॥नययुद्ध॥॥३॥मन्त्र
पुनर्वसुपुनर्वसुमाकनूस्त्राहा॥॥॥
३॥यथालमनयमपुनर्वसुपुनर्वसु
स्त्राहा॥॥३॥उर्वमो॥मपुनर्वसु
वसुमाकनूस्त्राहा॥॥३॥यथाल
मन्त्र॥दवानयिद्रुस्यनिधियाग
सिस्त्राहा॥३॥उर्वमहमनयानविद
स्यनिधियागयाम॥३॥३॥मन्त्र
मन्त्र॥ययुद्ध॥॥॥कमानवाकयति
सदहाउखवतदधुकथिक्काडा
ममिधरुल॥कालाचिह्नकनकस
मथिस्त्राहा॥३॥मन्त्रयममिधमाह
यविरुगडातवदमैयथालमनय
ममिधयममिधम॥३॥उर्वमहमाय
यामधयावयसायुजायपुलिबु
कवयमैनाममिधजावयगाममावा
यामिधयममनाम्यनिनाकनिभुय
गम्भीरडाखीवक्रवक्रवक्रयनादोय
याम॥३॥३॥मन्त्रययुद्ध॥॥॥
सिहाकादाय॥३॥मन्त्र॥नययुद्ध॥॥॥

वसुमाकनूस्त्राहा॥॥॥यथादिनायुवव
न॥३॥मन्त्रययुद्ध॥॥॥यथाकर्मवसा
नयथादिममयुगाहृतिविय॥॥॥
रुमिकमतनिलोहृतिविय॥॥॥॥३॥३॥
युधुद्वियनायनसयुधुयननायन
यसुवविकीधवहा॥॥॥मन्त्र॥॥॥
कनास्त्राहा॥॥॥मन्त्र॥वक्रवाक्का॥॥॥
३॥मन्त्र॥धर्ममन्त्र॥॥॥मन्त्र॥॥॥३॥
नमासुधेदा॥॥॥मन्त्र॥गंधदि॥॥॥
नमशाचावर्ण॥॥॥कयमिमदवाव
दधुजादावक्रवाकगुयादावतय
हर्मन॥३॥मन्त्र॥नययुद्ध॥॥॥
गानडागानिनमवाहस्यथययुद्ध
यवलमाधुदितनमखवाडानने
अनवालीममकदवसामलमा
हं॥३॥मन्त्र॥विवादयामि॥॥॥
विकयमिमरुदुय॥॥॥मन्त्र॥नाना
वीद॥३॥मन्त्र॥मिधुयवमानयाव
जययनादिनमीमहमहावयी॥
मियन॥३॥मन्त्र॥नययुद्ध॥॥॥
मयायवममनय॥३॥मन्त्र॥ययुद्ध
॥॥॥ललाटपीवायादिदि॥॥॥वाकम
लहादितिलककावथग॥॥॥
मालीवीद॥३॥३॥मन्त्र॥नदीका॥॥॥
मामनवदयानडाकनरिहाकय
॥॥॥वदुनकयमिमदहाडागाडादाव

दधुजाडाडयउय॥उंरुवगिरिः
कामिदहि॥खालामचादलखग
लग॥उंरुमि॥मामनयमाननक
लसीरिखाकय॥पुन्यातवच्चिवि
यमाल॥वच्चितवदयागडाथय
॥रिक्कामिदहिनाउर्य॥॥रिक्क
मददिरुवगिरिनाउर्य॥॥यनःस्त
तकसुनियमानवर्कमि॥पुन्य॥
यावडाडयदमासतावमोर्नगिष्ट॥
वदनावाट॥॥पुन्य॥॥उंरुधनय
नकन॥ववाट॥॥पु॥पिगयमदा
नलवनवर्कनकन॥ववाट॥॥पु॥
कामादीननवृयगीनवाडादीनन
कय्याग॥ववाट॥॥पु॥कामये
गीतमयगउवगीयनवाननन
कमि॥ववाट॥॥पु॥अयनकम
नकयामाकननगक॥ववाट॥॥
पु॥नवधवतुडदयानातवदव
वृकानाकलुलपययगसंधिमय
वविदुनस्रानेवियमलधनस्यव
दनसंधादिरययदगरेकनानिनक
य्याग॥ववाट॥॥पुन्य॥॥नरुव
स्रानेरिक्काडयतिः॥गिगुनवृययः
पावतायडदयमवजः॥यामानमय
कनादिरयकामानतावकनाकागला
मिदिषुमी॥यदचतायदसनयग

कगरेनीमिउयगिवयासकूलमि
गिनकलरुगालमिगिकयाल॥व॥
वाट॥॥पुन्य॥मदिधनवितिधन
नधननयनीयमीनाचकीगावला
यामनगदितायामानुसयगिष्ट
नमूगयनीयकय्याग॥ववाट॥॥
पुन्य॥स्यययगीयकायनमूगीगवि
कृतावामानाकदयीगदगधुनावध
गस्यासर्वगामाननमययसध
यामियमिय॥ववाट॥॥ध
गिधनकाड॥॥मिक्काकन॥उंरु
मरिगाग॥वनायानि॥॥निक
योधिक॥वाकययुडा॥दिनयुनी
॥उंरुधुदययनायग॥मामसा॥॥
साग॥उंरुमुद॥अनगंधादि॥
॥गिदिनयुनी॥

मगसूर्यविक॥नगतिमलवल॥
वदयनाक्रमधाययक॥उंरुधु
मधामनदगमधकस्रानकमीवि
मयनाक्रमयामधसूर्यनदग
वकिता॥॥पुन्यमहायाहगिनका
कमिविया॥वदमाचार्थयाडवम
नयावमाक्रिकमयाचक॥॥मि
काकाया॥उंरुनमधुवमधुवम
माकनसाहा॥उंरुधधनमनयम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

पुत्राग्रिमस्वाहा ॥ ३ ॥ उर्वमा ॥ मन्त्रवः
 मन्त्रवः मन्त्राक नस्वाहा ॥ ३ ॥ यथैतत्
 मन्त्रेदयानां यज्ञनिधियाग्रिमस्वाहा ॥
 ॥ ५ ॥ अर्निययज्ञ ॥ मन्त्रिधदल ॥ य
 ॥ ३ ॥ अर्नमन्त्रिधिति ॥ यन्त्रमिदं
 कादाय ॥ ३ ॥ अर्नमन्त्रवः ॥ धनलि ॥
 ॥ ॥ मन्त्रादिति ॥ दलमयानि ॥ मन्त्रि
 कयाष्टिक ॥ वाक्क ॥ यज्ञा ॥ यवध
 यादि ॥ वलियज्ञा ॥ नवद्यदगर्त ॥ व
 द्वागर्तमर्कल्य ॥ यन्त्रदीपवृत्तिका
 ॥ यायत्रिकहर्म ॥ वलिरुवर्ण ॥ दक्षि
 णादान ॥ वक्त्र ॥ यवर्णयर्णदत्ता ॥
 यवर्णमाचर्त ॥ मन्त्रेयामर्त ॥ ३ ॥
 यवर्णद्विधयवायन ॥ ३ ॥ अर्थायम् ॥
 अर्ममा ॥ ३ ॥ मन्त्रार्थ ॥ जायसाण ॥ ३ ॥
 मृत्पदायस्यया ॥ ३ ॥ वक्त्रतनमः ॥ ३ ॥
 कृष्टेनगलाग्रस्वामीनिखिलजानगु
 ॥ मन्त्रेयवक्त्रानायायालकम्
 रुवकल्यहतादववक्त्रा ॥ गुण्याया ॥ द
 रुतेककृततायवमनिडावर्मगवदी
 गमूर्कियज्ञानामादिदवावलवयम
 चतुर्वेदाकनमासु ॥ मगुणविमा
 लका ॥ मन्त्रार्थदि ॥ ॥ अग्निधर्मका
 ॥ यवर्णवद्वन ॥ मन्त्रावावर्ण ॥ अग्नि
 मन्त्रिधिति ॥ अर्थायार्थान्त्रिधिति ॥ व
 क्रायुजगविसर्तुर्त ॥ वाचनडाल
 नालिधक ॥ चन्दनसिन्दुनमगुण

नीचोद॥ ॥ ॐ नमूया एनसि॥ यद्
विमर्कुर्न॥ ए॥ या इति॥
॥ गिवगवधनसमाय॥

वदुःखायक॥ वदुःखिनाचम्यवदुःख
 दृष्टिः॥ निमूखनक्षयनिमददडाददुः
 कथिकाखालाजादडा॥ निखादान
 मासयाक॥ उं मात१ साकनसाह
 मर्नरुवनिमदहि॥ ॥ खालामर्न
 लखवमनालग॥ उं सफि॥ २॥ का
 यागलमलखनयकयायावथका
 कदुच॥ ॥ लखकाडावचय॥ उं
 मर्थमिचनजानननवममि॥ ॥ वलि
 विय॥ दायाचल॥ थलखन॥ उं
 पृथियेस्त्राह॥ उं पृथीनाजायस्त्राह
 ॥ उं नियस्त्राह॥ उं लक्ष्मिस्त्राह॥ उं स
 र्वथादवस्थास्त्राह॥ ५॥ ननमिवलि
 ॥ उं रुयनयस्त्राह॥ उं रुवनयनस्त्रा
 ह॥ उं रुतानायनयस्त्राह॥ अन
 जयया॥ उं अनयनन॥ लखकाडा
 कावतान॥ उं अनध्वनिरुगय
 गुहायाविधुगामूखशर्वयस्त्राह॥
 वदुःखनसायाअनिनसामृगस्त्राह॥
 यथगमकाय॥ अगुनान॥ उं या
 वयस्त्राह॥ खालान॥ उं अपाना
 यस्त्राह॥ दलान॥ उं यानायस्त्रा
 ह॥ खालान॥ उं उवानायस्त्राह॥

॥ वायविर्चनं ॥ उं समानाय स्वाहा ॥
युनर्लखनान ॥ उं अमृताय धन्यम
मिहा ॥ ॥ यथैष्टं गच्छेत् ॥ सुला
काय ॥ नासिया ॥ यथकाय ॥ मूख
भुवि विद्य ॥ ॥ गिरिस्थानविधि ॥

नाथो कृष्ण उन्नयन ॥ युवाङ्गुली
लङ्का सिद्धा ॥ संधायो यलाय
कमाल ॥ ॥ कालत्रावद्वितामं ध
मासं धां रु लदायिनी ॥ अकालं व
दितामं धां संधावंधावधुनिव ॥ ॥
स्नानविधि धनकाडामध्याङ्गुली
धाम ॥ अग्निकुचामहामयाचक ॥
अङ्गानिकमरिक्तानं ॥ स्वयानाधि
चकनमगव ॥

गताय कृष्ण वदार्कत्रिभिर्कृत्वा ॥
वदयानि यस्मान्मरुनिकममं धा
धनक ॥ ॥ युनयानि यकमधनक
॥ ॥ यवायकयायमालहृया ॥ वा
॥ उं वदार्कमृगुणद्वारयदेकवृद्धि
मधु ॥ ॥ निययिदवाक्मगचात्रिया
॥ दक्षिर्वतव ॥ सुलासमव ॥ उं मृ
संगव ॥ उं कृष्णव ॥ स्वचायदुर्मव
॥ वददीक्षामयणीयदान ॥ ॥ युनय
॥ उं अद्यादि ॥ यथगजान ॥ वाक्काष्ट
कलणवल्लिगजडा ॥ गजामसमुप
वदिहा ॥ अदिस्ववदनयुजा ॥ ॥

युनयानि कृष्णमेयाय ॥ ॥ यथ
रविधिमकुलकलनान्न ॥ अथय
दामाधन ॥ ॥ युनायमि ॥ युनिनाम
उं समरुद्रानेयस्वाहा ॥ युनादम ॥
यिथैष्टं नृगान्वक्कादिद्युतादति
दद्या ॥ ॥ युनादुगियुर्गु ॥ ॥ युनादुति
कमगिल्लादुगिकानयत्युर्गु
॥ ॥ अथयथकमस ॥ कमाने
न्यायवसमसिकमयीमनया
यवयुवा ॥ मरुवमयान ॥ अचाय
यचासयायमयगीन ॥ कचागिमा
यिनवसुलखनहाय ॥ गयगीनड
यल्ययुवकमवगनय ॥ कृष्णदुनि
यथानी ॥ ॥ वदलखनहाय ॥ धमेह
यायाथ ॥ ॥ उं अद्यादि ॥ यथव
त्सुर्गु ॥ ॥ उं उदर्यजान ॥ ॥ ॥ हदया
लरनयुववग ॥ ॥ उं समवतनि ॥ धनि
धनकाड ॥ ॥ युनयानि मारिमूख ॥
वदयुवा ॥ मरुवयान ॥ वदनयुनम
लयाचक ॥ ॥ वदयाथ ॥ मयुलवाय
रानयुनदागय ॥ ॥ युनयान्यामादि
यायामरुगपुद्धि ॥ वदनयामया
चक ॥ वदनयययावयवदीक्षावि
या ॥ ॥ उं उदर्यजान ॥ ॥ उं वदया
यजं गृमीयय ॥ ॥ उं वदया ॥ ॥
अथवा ॥ ॥ उं कृष्णायामन ॥ ॥ उं समिध
मि ॥ ॥ ॥ धनिकन ॥ ॥ अनीवादि ॥ ॥

वृत्तनदीका॥यू॥ ॥आचार्यया
 जवसनयाववेदमू॥निकर्मयाच
 क॥३॥अ॥नसू॥वे॥॥३॥अ॥नसमि
 ध॥३॥अ॥नसू॥व॥॥३॥यू॥ववे॥
 वृत्तया॥विधिधर्ममू॥निकर्मया
 च॥लिखायदानर्त्त॥नमयानर्त्त॥
 ॥॥गताआचार्योसंकादुर्गि॥द
 न्यानि॥निकर्मयोधिक॥वाक्क
 युजा॥यवधुन्यादि॥वलियदान
 ॥नेवेप्रदर्शन॥वाक्कननसंकल्य
 ॥वृत्तदीपवृत्तिकारम॥राहृत्तंदि
 धृत्तंरुद्रया॥१०॥वलिविसर्जन
 ॥दक्षिणदान॥नमययानन॥नत
 ॥यू॥॥३॥यू॥वृत्तययनयन॥३॥अ
 याचस्व॥३॥संवादिता॥३॥कमसनश
 रुनत॥अमम॥३॥मकुध॥काय
 साग॥३॥मृ॥वृदा॥अगर्गधुदि॥ ॥
 वृत्तमगुञ्जानर्त्त॥३॥मन्त्र॥नग॥अ
 न्यानीवोद॥३॥अ॥निसृष्टियवमानः
 याचरुन्यायवाहितंनमीमरुमहाव
 र्य॥३॥यस्यकर्म॥गुनय॥३॥वृत्तन
 दीका॥वटव॥ ॥धनवदुयातरिखा
 क्य॥३॥उनिष्टवक्त्र॥॥वक्त्रायुगी
 तविसर्जन॥युगीतारिथर्क॥ ॥३॥
 तनूया॥नसि॥मंधाकवर्ण॥वृत्त
 यावरुमनवदुनय॥३॥ग्रायुर्ष॥
 वक्त्रारिथर्कचन्दनसिद्धनसुः

पुनः प्रोक्तं ॥ स पुनः कलसां शिथक
वृथायां न मनव ॥ ॥ कलसे द्वायक
॥ यक्रविमर्दनं ॥ ॥ वृथायां कुप
समासखादा लीला लस्यद्वय ॥ धर्म
खना शिथकयाय ॥ यिनायका उ
क्तय ॥ वृथायां शिथ ॥ वृथायाय
क ॥ ॥ निवृत्तारविधिः ॥ ॥

गणेशविक्रम ॥ गुणवत्तुमहः
धनवान्नवनवदुःखामुमुससखा
चक्रे ॥ मितिकुङ्क ॥ स्नानविधियुक्ता
कुरुकार्मकायायक ॥ अङ्गविक
मिधनक ॥ ॥ अर्थिवावनमनव
याव ॥ वाक्कवनलकुङ्कियाव ॥ वा
सुडयाकर्मविधिर्थायाय ॥ ॥
खामयूजायादाकललिहावया
वाडाकलमधयल्य ॥ हडायाय
निकुमुसहामयाय ॥ रुलकनमा
लकागणगुनमालकागय ॥ आचा
र्थवकासयाय ॥ गुणवत्तुमहः ॥
अवलीकर्मवगवर्कनतिमिथ्यर्थ ॥
वाय ॥ एकवक्त्राकल्लभचूर्न ॥ अग्नि
नाम ॥ ॐ समुद्रवाग्नेयस्वाया ॥ दृ
गाङ्गनिगिलाङ्गनिकावयन ॥ यव
नी ॥ ॥ गणेशकर्मसवदुःख
याखडावहमिकसखन ॥ गुणवत्

कमलपुष्पवर्णमधुवासादिकल्प
 सुलियर्थीति विदुषागविद्यया ॥ सु
 धवदरुसमनयावमयनाक्रमस्य
 याचक ॥ वलरुलदडा ॥ धनादा
 यमाल ॥ वदन्तुसुत्रिकमयाच
 क ॥ उंमूनेनुपुव ॥ ५ ॥ ००यादि
 पूर्ववत ॥ सुत्रार्थव ॥ संख्यादि
 दणायानि ॥ धनक ॥ धृष्ट ॥ उंमूद
 य ॥ ॥ समानागवावनीरिका
 कय ॥ ॥ यद्विस्मृतं ॥ कलेन
 रिधक ॥ चन्दनाद्यानीवादि ॥ ॥
 वदरायचक ॥ वाक्कणदिगार्थ
 ॥ ००गिणवनीकर्मविधिः ॥ ॥

यथसमावर्तनविधिः ॥ वदन्तना
 दिनित्यकर्मधनक ॥ धकोदियरु
 गितधनक ॥ यावदकयायमाल ॥
 उंममावर्तनारुदकयवाचकवृ
 द्धिणमद्व ॥ वाक् ॥ सुदकलनमधु
 उक्ताधमिसनीर्थयालखधन ॥
 माइइरु ॥ गारुलयास ॥ मयुगन
 ययगिणममवलिवदिद्वानादना
 दि ॥ रुलकनगयमालका ॥ ॥ उंम
 यादि ॥ यद्यगार्थ ॥ पुन्र्णकल
 नमर्तन ॥ पुन्र्मनवत्यासार्धयाग

आमयूजा ॥ गताद्यावाचन ॥ उंम
 लायामि ॥ विणयादकलनयु
 जा ॥ यथम ॥ उंमयूजा ॥ १ ॥ उंमय
 य ॥ ॥ उंमद्विषु ॥ २ ॥ उंमामाय २
 ॥ उंमनावनी ॥ २ ॥ उंमया २ ॥ उंम
 वपुनी ॥ ५ ॥ उंमनिलाय २ ॥ उंम
 सुकवीयादिवाचय ४ याथितानि
 विममनजा ४ मिथा १ स्तरायदक
 न ४ मधसुविचकमागमु ॥ धनम
 याविषुवत् ॥ ५ ॥ उंमनलाय २ ॥
 उंमिवावाविषु ॥ ५ ॥ उंमययुयाय
 २ ॥ उंमयुगद्विषु ॥ १ ॥ उंमयुगमाय ॥
 उंमिषुललाग ॥ ६ ॥ मधु ॥ उंमव
 ६ ॥ ॥ उंमवद्वन ॥ उंमवद्वनमय
 ॥ उंमवद्वन ॥ ॥ उंमवद्वन ॥ उंम
 गानमिदु ॥ उंमवद्वनमवितन ॥ ॥
 ॥ मवलिलममसादिसुवदन
 यूजा ॥ मामादियदादिधुयदीयक
 लनवेद्य ॥ उंमवद्वन ॥ उंमवद्वन
 ॥ ५ ॥ उंमनाद्वन ॥ यमिद्व ॥ उंम
 यमग ॥ मयगधदि ॥ धमिधन
 काडा ॥ पुन्र्णकलनिकर्मयाय
 ॥ पूर्ववद्यथयथविधिमकुगक
 लनमर्तन ॥ ॥ वदय ० गिमल ॥ ॥
 उंमवद्वन ॥ ॥ पुन्र्ण ॥ उंम
 यामि ॥ वदन्तादि ॥ गताद्यदासा

[illegible][illegible]

॥ सुवस्मान्ताङ्गदध
ननमद्वययवदम ॥ ॥ लख
नहाय ॥ ॐ यावाचनसुमिवगृ
क्रमि ॥ लयनहाय ॥ ॐ यावन्निव
नमावसस्यराजयतदनः ॥ ३
गमीविवमागर्न ॥ ७ ॥ यनलखन
हाय ॥ ॐ यावाचनसुमिवगृक्रमि ॥
लखनहाय ॥ ॐ तस्मात्पुनर्नमामः

हा। यस्याक्याजिन्धस्यथाउनय
 अचन॥५॥ गृष्मिन्हाय॥५॥ यम
 लेखनहाय॥५॥ यावाचनसुमित्र
 गृह्णामि॥ गृष्मिन्हाय॥१॥ यमलेख
 नहाय॥५॥ यावाचनसुमित्रगृह्णामि॥६॥
 ॥ यस्याग्याकायउका
 य॥ गमनलेखनकाय॥ ॥ मज्ज
 नास्यकाय॥ वदनसुखला॥ मज्ज
 उंदकथिसयित॥ उंदकर्मवन्
 दयालममदवाधमीविमधु०
 अथासुधावयमादिर्यवगतवा
 नागसासुदितास्याम॥ कवचमि
 चकिर्मियागवागिकातायावचु
 रितन॥ ॥ वदमववमुनस्य
 क॥ वदनामियावसूयाद्यया
 य॥ उंदशुजाजशुनिन्दामनूहि
 नस्कायागयावहिनस्कागदलनि
 नमिदलमनिमीकृत्वमिदमाय
 मय॥ यन॥ उंदशुजाजगृष्मिन्हा
 मनूहि नस्कासुमममिनेमिसरु
 मुनिमीकृत्वमिदमाय॥२॥
 वदननानवाचक॥ मामवानक॥
 ॥ दिमिनथियक॥ कामसुलखल
 खक्य॥ धकाकलखसकायव
 कामलधनितय॥ ॥ नडवानान

उदकायाय॥ दक्षिणचन्द्रम
 ललाविय॥ धलखंलावमालः
 समखाचक॥ लमियाचक॥ यिव
 नयकाडाकवयक॥ डोदमनवा॥
 दंविनमिनवाचयक॥ मनु॥ उंमः
 न्यायाययुद्ध० सामानाजायमा
 गमन॥ सममखयमाकगयना
 चरणनय॥ तामिचक॥ उयस्यन
 न॥ वदयागनसाकविया॥ कव
 क॥ चन्दनादिगृह्णकृमवाना
 मिकयासुखरुसुदयनसुवीड॥ उं
 याभायाजेमनयीयत॥ उं चकृम
 ययत॥ उं धममनयीयत॥ लाह
 तमिय॥ ॥ वायदतमा॥ उदका
 जलिर्वमनय॥ उं रुसुमधध्व॥
 वायमदतमायममयनगिलाद
 कगय॥ दक्षिणरिसुखन॥ उं य
 आनगामूकयितुयआतामनमि
 गिलादकीयितन० सुधध्व॥ उयस्यन
 न॥ ॥ लाहानमिचक॥ यनप्रचनवि
 य॥ वदनयउय॥ उं मूत्रकाहमीदि
 यारियास० सुवच्चासुखन॥ सुपु
 कर्षुयारियास० सुवीडलयेनी॥
 यन० म्यानयाचक॥ मूत्रकलपन
 ॥ वदधवशुलिनी॥ उं इंजागमन

मया कर्माणां कथा ॥ लामा रोगजा क
रुलका ॥ लक्ष्म कर्मका ॥ कलवतः
काथया ललका मकुचिदा उद्धानक ॥
थकृद्भवतस्य दण्डनक नडात ॥ हथ
याधयता ॥ वायनयति विरयधास्य
गदाडाकन ॥ गयसिधुजानकन
हामालका मविच ॥ वाधावदायका
उलिदाडाच ॥ ॥ दानमलमिधुलि
खमलाधस्य दतयन ॥ यक्षसिद्धि
नमजवमस्यमिकसस्यन ॥ ॥ गग
पुनलदण्डयानि ॥ मखाकृत ॥ वा
कणयूजा ॥ नानिकयाष्टिक ॥ यव
धन्यादि ॥ वलियुदान ॥ नवशादिव
र्गन ॥ वाक्कणदिमसुत्रमकल्या ॥
दृगदीयवृत्तिकाहाम ॥ दृतादृमि
॥ १५० ॥ गगश्यायष्टिकहाम ॥ जि
यक्षवाकर्ण ॥ यदुष्टादि ॥ गयर्ग
॥ उदवकृगस्य ॥ यावदृति ॥ यदुष्ट
स्वमि ॥ यवधान्यादिवृत्तिकवलिय
द्याग ॥ मणवद्युगयानर्न ॥ दद्विज
दान ॥ वाचन ॥ उमसिधुयान ॥ युगी
गयिषक ॥ यविगुग ॥ उमयामयान
वति ॥ वक्कणयुर्गुयानदल ॥ ॥ जव
सवक्कणयानयवर्मयुर्गुदृति ॥ उं
दवागयु ॥ उंमय्यायस्व ॥ आर्मसा ॥
उंमकुधमसु ॥ जायस्यग ॥ उंमृष्ट

दा॥ अङ्गनादि॥ दत्तकलक्षणमिच्छाया
 र्गणीर्वादि॥ वक्रायुजीनविसर्जितं॥
 वक्राकूलाभावनं॥ तत्कलणतयुजी
 गतिवर्क॥ वक्राकाकाद्ययद्रुद्रायाम्
 ॥ अंतनूया॥ नेति॥ अंशुयय॥ अग्निन
 दाकूमानवादिनतय॥ यद्रुयायव
 सबाकूलावातयावनिर्मितं॥ अं
 नदाकूतं॥ वलि॥ अंशुयय॥ वार्क
 कलणमितिवर्क॥ चन्दनमीन्दुनस
 गुलीर्वादि॥ मरुमानगियुगिद्व
 ॥ ॥ वलिउडादिवाचकलकाय॥
 यद्रुविसर्जितं॥ लयहामं॥ न्या
 साद्ययागो॥ धाम्स्वीकृत्य॥ मृ
 गमदि॥ ॥ अग्निसमावर्कनविधि॥

वदयकतासूर्यकमतव॥यद्वद्वद्वद्व
सूर्यमानवाचक॥॥ध्वलिलिवद्वगत
युवावकातादय॥कातालमलखत
यावयुजायादाड॥वद्वनणखनमूर्य
ध्वयाचक॥॥मूर्यादि॥वालादकल्या॥
स्वर्यद्वगमिण्वानमिद्वध्वद्वमि
वर्चमिद्वदि॥मूर्यस्माद्वगमन्वावर्क
॥॥मूर्या॥मूर्यगंधादि॥नकुलेनमि
ध्वकं॥मूर्यादीदी॥धनमंध्वयाच
क॥

यथादकसनावजुनिन

वहवयाचनिनिश्च॥कायनायय
जा॥यमुलियुजा॥यमुजागदिको
मानियुजा॥॥रुविनलगतवृन्दका
॥यमादयितिति॥यामनयाकम
ला॥लिसाम्य॥दत॥कमावचात॥ध
योकाधुलिमकुय॥चन्दननिद्र
नसगुणनीवोद॥सक्तयतनाक
न॥गशकलकान्॥॥गिवनव
धनविधानसंयुग्म॥ ॥॥॥॥

शठनमावक्रा॥अथविहोवोवि
धिलिष्टा॥दीनकवात्रनसयक॥
यथायकयाय॥यकविनितियकु
विवाहदलशिष्टिन॥गिनयचवताद
ल्ललवासद्युकात्रयन॥यजमा
नामकयविवाहदलस्यदेकयथा
दकवृद्धिप्राद्व॥यिताययीयिजुजा॥
वक्राकुययामचायुजायाय॥कि
थलामसक्रय॥यक्रुदवक्रा
यकललसदकाय॥अथदसन
कद्रया॥यिगिमिआचाययाहित
थकादि॥थकादिनी॥धगुलिनक
॥मालकामलमियाय॥माननियक
मधनकाडा॥थकादिनयवादक

मा ५

नवलवजिन. क. म. पू. तावजिन

नवलवजिन. क. म. पू. तावजिन

याय॥यितायनिमकुययाचायुजा
यय॥यनिचक॥॥वक्रनिचाय
क्रुदवक्राया॥दसनदधकद्रुगवा
माचायवदसनयायमयाता॥॥
वाक्रगचाया॥युजा॥वाक्रगचाया
वक्रगिचाया॥नगवृन्दकायुजा॥जा
यक्रग॥थकादिनीनवाक्रगचाल
मालोवसामिकमसुन॥निर्मिकन
॥वलि॥मलामशहानगतक॥का
ययथीनधनक॥मगरुताउचान
लाय॥सगुणनलाय॥नगवृन्दका
नलाय॥वाक्रगचाया॥नगवृन्द
कावाय॥वक्रगिचाया॥नगवृन्द
कावाचकलकाय॥वाक्रगयुजा
दक्षिणमर्क॥वाचनजलनाशिअ
क॥चन्दननिद्रनसगुणनीवोद॥
सक्तयतनाक॥यामनयाकम
ला॥लिसाम्य॥दत॥कमावचात॥ध
योकाधुलिमकुय॥चन्दननिद्र
नसगुणनीवोद॥सक्तयतनाक
न॥गशकलकान्॥॥गिवनव
धनविधानसंयुग्म॥ ॥॥॥॥

सतिकक्रयागमादि॥घटिनयक॥व
क्राकललनानयक्रयद्रुगी॥लक्ष्मी
सगुणगलनवलिगामसवदिष्टा

यय ५

ममनादिमालकारुलकन॥थकादि
मार्दिनयोनिकमिधूनक॥यिताय
काय॥मलकं॥मयशमाला॥म
निनिमथ॥थिठरुय॥रुनिनिधु
गलिभास्यदकाय॥॥थकादिआव
दकाय॥मयरायवकाचन॥थ
वशययकायनागयदयदिनी
गीलक्षीद्विस्थितन॥॥यनचदि
डाडासाकुनडातमरुता॥थ॥म
नलिहासायव॥॥यकमठयय
यकलिमस्रमिकमस्रन॥लासाव
मिमिठनन॥डुनकाठन॥वलि॥
मधुय॥लखनरुय॥मस्रमिठ
रुडा॥वकादियाककननक॥म
व॥यययानिप्रुमृकिमृकिमृ
ननिवासिन॥मृष्टिककमकानि
गमेवकननमासुत॥मगनधादि॥
मगरुगाठयानममुठनवाय॥उं
ममननि॥ययममुलगतयदिन
निमिमवाय॥वकादिमृयादि॥म
कय॥उंकादिग॥मृकादियादकं॥
यलम॥यादिमृडाकमृष्टि॥मृडा
दियावानमिनि॥॥थ॥थकायन॥
उंकीद्यायुक्ता॥॥ययनादिसमु
धनीदीप॥मरुमाननियुमिदु॥

थका

मामधुययचकावलामालावयदा
डाचरिनन॥कवयक॥मउयुजाय
डाडादिवाविआवल्मियाचक॥
मालकयक॥मृकवमुगयक॥थ
गिमाकयविधि॥०॥मृविनीक
ल॥मलीवमुठ॥मृकलनन॥म
वलि॥मालजा॥मालकारुलकन
यावगय॥यधविधिनाकलनम
न॥जायमगययनधूनक॥थकादि
नीनवकदिचालामालावस्रमिक
मस्रडाडानिमिठन॥वलि॥मृमि
नारुनका॥यादिनलिमिचयमधुल
मसमुठनवाय॥साकयदवय
॥थ॥ययनाडानीदीद॥मरुमान
गियनिदु॥मामधुययडाडाला
मालावचरिननयावकवाय॥
लमियाचकमानयाचक॥मृकव
मुगयक॥थगिवकनिचायासा
यविधि॥थकलनमथथिन॥॥

मथवाकनचार्थकादिनीतलासा
लावयकममुयययकलिमस्रमि
कमस्रडाडानिमिठन॥वलि॥मृमि
नारुनका॥मसमुठमदकायवाडान
याडनदमृनिकचिलकचिडानवा
य॥थधलनमविच॥उंवसायवि

न॥ यमाद्यतिनिमनावसरुनिनिन
 यातश्लोमवृद्धकागस्यलाय॥ उं सुमि
 न॥ मिमी॥ उं गानात्रमिदु॥ रुनिनिद्वय
 ॥ ॥ लतवृद्धकानकुरायक॥ उं मरु
 साठि॥ सनावयागश्रविय॥ उं युजा
 यगन॥ लवतनतचगैक॥ उं हिनय
 गरु॥ धकलल्लललडो॥ सतनानाय
 ययदनामक्य॥ उं हृदविश्रु॥ स्वा
 नविय॥ चदनाशानीष्टाद॥ वादा
 वतक्य॥ अनितितवाय॥ उं नमः
 गरुवाय॥ हामानमाल॥ उं तववा
 य॥ मरुआनगियुगिष्टा॥ मामध॥
 याय॥ लामालावरायकजीवमगु
 वधविशोरायक॥ वाक्कगचा॥
 ययकलकक्य॥ लतवृद्धकारुनि
 नितास्यगय॥ ॥
 श्रुथयिठिमिनमिद्वयवृद्धायाचक॥
 उं जाम्बिनिलगुजचगुठयीगगुचा
 डका॥ लवतनमककालाडाद्वीकन
 कुमगु॥ धगिमिधुकायमवाय॥
 थकादिन॥ उं मृडादि॥ ययरायन॥
 दवकनयथाविधानतनकलनार्चन
 ॥ चदमगुलमवालठमचद्वन॥ यि
 गितिसनवगुद॥ कलनयाववम
 मगुगयादवमनिदि॥ चिक्रमृदव
 लममिधुमृदचिक्रमगुलियोगक
 कागनयस्यगय॥ कलनयाड

वसमगुलममिद्वयमनायानमृदगव
 धमिधुमृदवागयगुलिसिद्वयनितवा
 मतक॥ दवदुल्ललचन॥ वं कियुज
 न॥ गववलिवाहिद्वानाडनादि॥ य
 जा॥ धुयदीयजायकाग॥ वाक्का॥ ध
 दियुजा॥ अनर्मकल्ययावाययाय
 मतव॥ वाक्का॥ लतनमनिकयद्विर्वा
 य॥ ॥ थकादिनीनकन्याला॥ माला
 वस्त्रमिकमनन॥ निर्मर्कन॥ स्त्रान
 तनकमगुलमगययार्क॥ मतरुगा
 ठावाननिकिसावदकायावमगुन
 लाय॥ निदिमोनखववाहावमया
 कयर्कन॥ चिक्रमिधुमृदनवाय॥
 यातकगनमलावलिठिन॥ चिक्रम
 गुलिविय॥ मिधुकाय॥ चदनादि
 मगुगानीष्टाद॥ मरुआनगियुगि
 ष्टा॥ ॥ वं कियुज॥ यदुलि॥ नय
 छाया॥ दद्विगदार्न॥ ययवालड
 वन॥ शं॥ नयविय॥ कलनारि
 थकचदनायादिसगुगानीष्टाद॥
 मरुआनगियुगिष्टा॥ द्वाष्टिवाका
 य॥ कलनमगुगयिनिनिद्वय॥ च
 दमगुलमवाडमिधुविय॥ माम
 धमृयाचकाडालामालाडायन॥
 गिमिधुकायविधि॥ ॥

अथ कथा आकाशं हि या यमोऽना॥
 साक्षलया हाकलया हावनेमसि
 कससा॥ निर्मिक्तनादि॥ मन्त्रता
 चानसमुपयमादयितिनिरुतिनिर्ग
 गवृद्धकागयावत्ताय॥ रुतिनिर्ग
 ॥ लतवृद्धकालयनेसलावत्रिया॥
 शिवकचन्दनाया॥ नीर्वादी॥ वदावन
 कय॥ सरुआनगियगिष्टा॥ मामनव
 दावनकयमाल॥ मामधमृयादाडा
 रुतिनगयावस्वसिकसमान॥ ता
 यवजसमुपध्विनकवक्त्रनचारु
 नीनिर्गवृद्धकाकागायावनय॥ रुति
 वक्त्रनचायारुतिनिर्गयविधि॥

रतगदाजामागामकनविधि॥ ध्रुव
 न॥ ॐ यथादि॥ यथागजर्न॥ गृन्तम
 स्पर्ज॥ न्यामाद्यययुजा॥ ॐ जामा
 विष्णुमूकथदमासर्तनमः यथ्य॥
 सामान्यनयादाद्यहासाद्यचन्दन
 यथ्यवाधुदनध्वयदीयमृगर्गधादि
 ॥ जामायुनगुमलुलकानयन॥ यथा
 दगर्गुहीत्वा॥ ॐ यनाब्दुवावज्ज
 रतादयामहासना॥ मदासकयुनि
 नायुधनयायायककर्मसो॥ ॐ म
 ध्वकटरमदनयुनिर्गध्वनीगलाग
 यथायविष्णुधर्मिचामिर्गधवा

त्रिणा॥ मध्वानिनामिष्टयगा॥
 धिगायुधिवीचयगध्वानिमल
 यिता॥ यूर्वजन्मकृर्गयायदृक्कृर्ग
 मकृर्गरुवग॥ यूर्वजन्माहिर्गयाय
 मिरुजन्मनियत्कृर्गयत्कृर्गकर्म
 मृगठजन्मजन्माकनयूच॥ कनयू
 कृजलिर्वध्यामयित्वकचगसा॥
 मखलुमधुलुर्गिङासागा॥ पुवि
 वृन्त्याग॥ यथ्ययविविधाकालजा
 यगविविधकलगासर्वकन्याता
 दववक्त्रुलिचदवता॥ ॥ रुक
 यमावन॥ यीगचूर्णनमधुलुलख
 यग॥ गन्धुलध्वानयग॥ गययुजय
 ग॥ ॥ यिधम॥ ॐ बुद्धाय॥ ॐ मृम
 य॥ ॐ यमाय॥ ॐ नेर्मृया॥ ॐ व
 नृवाय॥ ॐ वायव॥ ॥ ॐ कवना
 य॥ ॐ बुद्धाय॥ ॐ यधम॥ ॐ
 उद्धाय॥ ॥ दधमधुलुम॥ ॐ य
 याय॥ ॐ विजयाय॥ ॐ मृडा
 माय॥ ॐ मृयनाजिताय॥ ॐ य
 जगन्म॥ ॐ मृमन्म॥ ॐ मारुन्म॥
 ॥ ॐ मृकवन्म॥ ॥ ॥ धर्त॥ ॐ म
 आयामाय॥ ॐ वामदवगाय॥
 ॥ ॐ मृधानाय॥ ॐ गत्यन्याय
 ॥ ॐ बुद्धाय॥ ॥ ॥ धर्त॥

वविर्जितः॥ वृत्तं कन्या प्रदास्यामि
दवाग्निगुप्तसन्निभे॥ ॥

जामाताय॥ ॐ यदि कन्यायु
रक्षयतां दक्षदायविवर्जितां॥
गदाहं युगिगृह्णामि दवाग्निगु
प्तसन्निभे॥ ॥ ॥

स्वर्गुप॥ ॐ भ्रामन्निधकृता
शस्मिन् सुशीलसुमनारवः॥
पञ्चरत्नात्मकः सोही दक्षयं
कन्यकामयो॥ ॥ ॥

जामाता॥ ॐ उलथाकलशुद्ध
र्थः सुन्यामयिकन्यकां॥ भुव
धम्युगिगृह्णामि दवाग्निगु
प्तसन्निभे॥ ॥ ॥

स्वर्गुप॥ ॐ शुभहनिस्तन
कृत् सुधारगकनधमन्वित॥
गस्मिन्दिनसमावाञ्च गदि
नविजयीत्व॥ ॥ ॥

सूर्य॥ ॐ भ्रातृ॥
गद्यपति॥ ॐ गद्यमनोत्था॥
नृपध्वन॥ ॐ नमः शिवा॥
वामु॥ ॐ यामवदर॥
हनूमन्॥ ॐ तीव्रान्धाया॥
गद्यपति॥ ॐ नृवाहो॥ ॐ गद्यमनो॥
पिलिध्वन॥ ॐ नमः शिवा॥
ॐ वात्सल्य॥ ॐ यामवद॥ ॐ समर्थ॥
हीमसन्॥ नमः शिवा॥
मधिकृमान॥ ॐ ॐ ममवद॥
कृत्तिका॥ ॐ भ्रामन्निधकृ॥
वृत्त॥ ॐ भ्रातृ॥
वैकुण्ठी॥ ॐ विष्णुनाटमसि॥
स्थान॥ ॐ नमो वत्स॥
पंचाग्नि॥ ॐ भ्रामन्निधकृ॥
भूलिमल्लक॥ ॐ ॐ दंवि॥
धनं॥ ॐ धन॥ ॐ नमः शिवा॥
मानल॥ नव॥ ॐ भ्रामन्निधकृ॥
सिखननाय॥ ॐ श्रीशिवदा॥
रुमान॥ ॐ यदस्कंद॥
सिद्धिलक्ष्मी॥ ॐ हिनधवध॥
एधीनामध्वन॥ ॐ यामवद॥
गृहलक्ष्मी॥ गद्यमन॥ ॐ धनं
नृनाय॥ ॐ यामि॥ ॥



सर्वदयाश्रयमासयाश्रय
नरुग्रकू उपाकर्म ॥ ॥
यशुर्वदयाश्रयपूहिमाकू
कू उपाकर्म ॥ ॥
सामर्वदयाश्रयदमासयाह
सानरुग्रकू उपाकर्म ॥
अथर्वदयाश्रयदशुक्र
यायेवमिकू उपाकर्म ॥ ॥
प्रागसंख्यचनरुग्रा. मध्यकनवि
मरुक. अयनाकूगुयासंख्य. न
विनरुग्रवर्जिता ॥ कालनिराया ॥
कालसवन्दितासंख्य. सासंख्य
रुलदायिनी ॥ अकालवन्दिता
संख्य. संख्य. वन्ख्य. वद्विद ॥
कालवर्गिकमदायः ॥ ॥

गतः स्वर्गं धर्ममनुलस्य पृथग्
हीन्ताये ॥ ७ ॥ उं भूमिनामि
जामातः स्मयापुष्पानुवर्दिता
॥ कन्यादानं प्रदास्यामि भूयम्
विजयी एव ॥ ॥ भूयवनाद
यादि ॥ भूयादि ॥ समर्प्य ॥
उं कन्यादानं प्रगिरुक्तगाम् ॥

जामाता ॥ उं भूवर्धय गिरुक्ता
मि ॥ ॥
स्वर्गं धर्ममनुलविसर्ज्जनम् ॥
उं उदयं गमस्व ॥ वाक्चादनादि
दया ॥ यथाशक्ति दक्षिणम् ॥
भावेन ॥ ॥ ॥

जामाता स्वर्गं धर्ममनुलविसर्ज्जनम् ॥
॥ उं दवस्यन्ता ॥ उं भूविना
वृषजगि ॥ ॥ चन्दनं ॥ उं य
दयक ॥ ॥ सिन्दूर ॥ उं स्वेजवि
ष्टदा ॥ ॥ भाषीर्वाद ॥ उं अ
गवस्तु अगावध ॥ उं अगवस्थ
रुगवीर्यगा अगावधः ॥ गिस
धवधः ॥ यगदगुस्थस्थान

गावधः ॥ यगदगुस्थस्थान
द्युगधुगाधुमधुधुगः ॥ गिरु
दनाद्युगधुगाधुमधुधुगः
कुरुग ॥ उं विनाजानामकामधु
घाः भूदीयमानाः ॥ विनाजाना
भोगगद्वेदवाः ॥ उं दूका
नामरिचूयाकयः ॥ यथायथे
नाः ॥ गदावदुगताः ॥ नानमयु
यावर्तगनाथलाकं पृथग् ॥
प्रवयनाच्युगः ॥ स्थूलहितवाना
धामिभनिह ॥ यथाविनाजाना
माः ॥ उं गंगाः ॥ नानमयुयावर्त
गंवागस्मादुहादः ॥ दूकाउपे
धायलाकं पृथग्यालिमं प्रयन्ता
गदनाविनाजः ॥ कुरुगः ॥ दक्षिण
नाहिविनाजामधुघाः भूदीयमा
नाः ॥ गिरुदनाकामधुघाः भूदीय
मानाः ॥ कुरुगः ॥ ॥ द० रुविः ॥ ॥
भीर्वादं ॥ स्वर्गं धर्ममनुलमनु
विधिः ॥ सूर्यसादि ॥ ॥ ॥

गतः कन्यादानविधिः ॥ वहिः सा

[illegible]

ततः प्रसन्नो कन्यां गृहीत्वा आमा-
 तृ कन्यायां द्वा द्वयं तमनु॥ कन्या
 या खवस॥ उत्रया उवस॥ ॥ उंस
 मं उरयन्नुविध्वदवा॥ समायाहद
 या निमो॥ सुमां तनिस्वा सधा ता सम
 वहीदधा पुनो॥ ॥ ॥ द्वायायि ॥ दिनेमं

[illegible]

ता॥ ॐ अथ यदयददा निका मेनेव गददाः
निदं मयामूडा मदिमि नयुथ निकादाः
कमादात्कमादात्कमायादात्कमादा
गांकोमः युगिगृहीता कामे नरुतिगई
वतायामुनिदिन गितदा कृन्नेदवताया
अतिदिन दिदम्बेजान्दवता ० समिधमा
दीशमानाध्रः ० वृणयसीरवतीदम्बेज
सिननावत्यादधतिमदीशमानावृणः
वृणयसीरवतिध्रः ० वृहवेणुयारिवतिय
० वृविद्यान्यगिगृकतिगशथामतिध्रः
कृयादवमगांरुहागितामधीयतददा
गितमादधीयतागिदिन ॥ ॥ ॐ क्व
मि ॥ ॐ अथेवमरियशवाचयगिध्रः
मिध्रवार्ययजमानास्मिन्नायतनयुजाया
रुयादिगिगृकतिगिगिर्वैर्वैकामयग
मास्मैकामः ० समृध्रः ॥ ॥ वृणुनदीदकि
० अथि ॥ ॐ नरुत्कन्यादानकृगयगिगृ
र्थहिनधमनिदवर्तागामगृदकिगृ
यमर्हसयदद ॥ अगृगंधादि ॥ ॥ जाम
गदकिगृकवधूजधित्वा ॥ ॐ अगृगृलिन्म
नावृय ॥ ॐ अगृगृलिन्मनावृयगतनीमाः
लेन्यागिगृयाद्यानदरुर्वनिद्यादलमासा
० र्ववत्सवमम्बसागानिर्थावानानिर्थाव
यस्यमाजागवनेवैरदकिगृगामृनज
का ० मि ॥ ॥ जामागृध्रमिध्रः ॥ ॐ द
वमृत्वा ॥ ॐ बालागृरवतिगनवाकृ ०
गिगिर्वनिगृकवेयनासोवृक ० ॥ वेन
मदेतदगिगिर्वनि ॥ यध्रककल्या ० ॥

[illegible]

धनदयः ॥ ३ ॥ मृताया हृमया मा निजं नृ
वैः सनः दवक देय या तु त सौखाहा

[illegible]

नृपयन्तामधियनिःसमतिः॥ॐ दन्डा
ययन्तामधियनय ॥ ॥ **महादकस्य**
मः॥ॐ वृक्षान्यानामधियनिःसमतिः॥ॐ
दन्डा नृपयन्तामधियनय ॥ **ॐ विष्णुयव**
नानामधियनिःसमतिः॥ॐ दन्दिष्वयव
नानामधियनय ॥ **ॐ मन्तागणनामधि**
यनिःसमतिः॥ॐ दन्मन्तागणनामधि
यनय ॥ॐ यिगत्रयिगामहययिता
महायनयः॥गणनामहाःॐ र्गर्भित्वमि
वृक्षयमिदगस्यामि श्रुत्यायुनाध
यामसिकर्मश्रुत्यायवद्व्या० स्वाहा॥
दन्दिष्वयः॥यितामहयः॥यनयः॥यवः
श्रुत्यायः॥सुतामहयः॥ ॥ **उयस्य**
॥॥ॐ अग्निवदुधय
मादवताता० सास्त्रयजामः॥युमृयया
नमः॥तदय०नाजावन्नामनमनता
य०य०स्त्रीय०ममननवादास्वाहा॥
ॐ दमनयः॥ॐ मासनिमुयतामह
ययः॥यजानस्यनययदीर्घमायः॥अ
यायस्त्राजाविताममुमाताय०मोनन्द
मरिचिविदधतामि०स्वाहा॥ॐ दम
य॥ॐ स्वास्तिनामिद्विवायुधियाविष्णु
मिगधकयथमज०य०ये॥यदसमिद्वि
विजगिष्वर्कतदस्मासुदविर्धरिचि
००स्वाहा॥ॐ दमनयः ॥

ॐ मन्तायवयमिसननकिश्रुतिव्याध्या
क्रान्तमयः॥अययमृयननृतमयाः

मन्तायवयमिसननकिश्रुतिव्याध्या॥
दन्दिष्वयः॥ ॥ **उयस्य** नः॥ॐ यनमृया
अनयनदियक्तयस्यनय०दमनादव
जानाग॥यद्व्यामृयुतनववीमिमान
०यजा०नीविआमातवीनानमहा॥ॐ
दमृयवववस्वताययान॥ ॥ **उयस्य**
नः॥ॐ यजायनयस्वाहा॥ॐ अग्नेय
स्वाहा॥॥गमावकायवीतवदलाक
यालवकायकलननागयद्वयकि
वीपीलक्ष्मीगदगुनविलिगपीमसु
गुणसर्वधुनाकृतिः॥धुनाकृतिपुष्प
ॐ पुष्पयः॥॥तगसिलाकृतिः॥वि
हियानमधनः॥यवाकृतिनिर्मि
र्णयवामतममनिर्णः॥समिधयक
र्णययवकयकमालिका॥उतनि
धयः॥मयगुजयत॥ॐ ॐ द०रुदि
॥अवाकृतिनः॥मकिल्य॥धुनाकृ
तिममगिलाकृतिमिधिशकृया
न॥समिधकृयात॥स्वस्वद॥यु
०॥यिक्कादिस्यु०॥यमिक्का॥मि
लाकृतिपुष्पः॥ ॥ॐ॥॥तगानज
श्रुतामठवागयावसीयनयव
यालदाय॥ॐ अयमनदवकयानि
मयकृतामनायमादव॥युनामवु
मायनस्वाहा॥ययवानधिलदय॥
ॐ दमनयः॥ॐ अयनार्थयवनेला
जानामययनि॥का॥अयमानम
मयनिनधर्कानयाममस्वाहा॥

वाचलता शिथली चन्दनमिद्विजानी
वीर्य ॥ यस्मात्प्रगिय निवृत्त ॥ उभेनाद्वि
नि ॥ ॥ वीर्यवतं कुर्यात् ॥ यस्माद्विभक्त
नी ॥ वीर्यवतं कुर्यात् ॥ वक्राष्टकल
यविमकृतं तस्या ॥ शीतय ॥ धर्मादिनी
नस्त्रीयन् यत्ना सावस्वसिकसम्बन्ध
॥ निखावणमदृशान् यत्ना चक ॥ न
होयकलया नयनया चक ॥ ॥
मिथिवाह विधिमाय ॥ ॥

गतः सति कुरु यस्मात्तु यनयिर्धकादि
नीतस्त्रीयन् यत्ना सावस्वसिकसम्बन्ध
नयन ॥ स्वसिकसम्बन्ध ॥ इतितीनय
नक ॥ नगवृद्धकायायक ॥ हव
या ॥ धर्मनगवृद्धकायायक ॥ स
वावदानकहवया ॥ ॥ निमिचुन
वलि ॥ वाक्सासन्नाततक ॥ धूयद
यस्मात् ॥ अग्नध्वादि ॥ ॥ मगदना
वानवाय ॥ सगुननवाय ॥ चन्दनम
गुणलीवृद्ध ॥ वृद्धावतं कुर्यात् ॥ सद्य
नयिनिवृत्त ॥ मासधमृयाय ॥ लासा
लावचुशितमसिकसम्बन्ध ॥ मद्य
कृतं याचक ॥ निखावण ॥ कलक
य ॥ धर्मिमा लालाशला ॥ ॥

धवद्वधनलिध ॥ सगुनयाककन्या

वानकालवहाइवसातर्क्ययस्मात्तु
मनसवाहवगमद्वियागमयविज
॥ यवादिशान्तागगनयाववाजाइ
नसादालकंदवाकमनदयकाववा
नगयासाल ॥ गमसवदयानचिद्रमूढ
निकमिद्वनसात्रयनयनकुर्यात् ॥ सिधु
ययिनिनिन ॥ धर्मिद्रयधनक ॥ कन्या
या कयन् यगयय वृष्टियाचक ॥ सि
द्वनडाग ॥ वक्रालंयनय शिथली ॥ ल
जाला शिथली ॥ अष्टकलनडाच
क ॥ याहितादिस् ॥ निवृद्धयनाहिग
याग ॥ यद्वरुडीसियाग ॥ ध्वजधका
दियाग ॥ कलनधकादिनी ॥ चामन
नाकार्थकादि ॥ मद्यसाचायया ॥ कुर्या
चिगुकात्रयाग ॥ निखनडया ॥ व
क्रावृद्धनीचायाग ॥ ॥ कलनलख
वक्रालखमदृशधमसासलडाव
क्राचुगलाय ॥ अत्रग ॥ वक्रालिथक
याचक ॥ ॥ पुत्रुनवायवा अत्रगद
दकस्यन ॥ ॥ धवक्रुनियादकस्यनि ॥
ध्वनुरयादमुलिन ॥ ॥ जिनयादमुलि
नकाकायक ॥ धयादासजिनयादमुलि
याग ॥ ॥ धनसमलगाजग ॥ ॥ धयादा
डावय ॥ अनितिरुनिहामासगनवृद्ध
कायसादयिनिनिद्वानकं ययसिधु
वगाववय ॥ वधुजहाडाजामानमा
लावशला ॥ सिद्धनसात्रनिकिसात्रवि

क्रमद्वयममूढनाथवाच्यहृन्नाम्ना
यन्मयउदयानकायकमाला॥यन्
वयादानमर्थकादिनीतलमास्यला
मालावकुसुमसमानगतक॥सागु॥
धनलिखामिकासनयाचकाडावा
सहयातमाकथगविय॥वधुजामा
तायादियाग॥धुनयकाकहयास
मुजवियक॥नादियागवियकय
या॥यन्मयामयुजवियथकादिनी
न॥॥नरितयासमुजधनिसहका
जन॥आगतमालकागयाव॥वाक
लानसुसिवाजनय॥०॥ययकल
ककाय॥वाकगयुजा॥वाक॥उंय
मानस्यानामकस्यसमवलंगजाग
सहकाजनमिथर्थ॥यजामाताणी
वीद॥धनिसवलंगजागविधि॥॥

धनमनिकुङ्कुवयाथमालागाला
याय॥सहकाजनकलकयर्थकधूनक

रूपययुधीकर्मयाय॥तणदोयवाक
कला॥थकादिन॥॥यन्मयकलनिधी
कर्मयाय॥अचम्या॥उंययादि॥उंयज
मानस्यविवाहाइलययुधीकर्मवधु
कलवधनसिधुनावाहननिमिथर्थ
राय॥॥यथाविधिमकुलकलना

धन॥वक्रादलनसमुजमदकया
सथाकायामकयवमु॥वलियुज
गममसादवहिद्यानासादिसुसुव
धनयुजन॥धुयदीयसागुयथनरु
लानमर्थयदासाधनी॥चनसाधनी॥

माधुस्फलीचनस्फलीमयुदगी॥
युगयदी॥समाहुन॥आथस्फलीमिथ
निधाय॥यन्मय॥उंयन्यममि॥उं
कूठामि॥कूठन॥उंयवद्विनि॥इला
मनय॥उंयनायुग॥यथादत॥उं
वमविनि॥दवगदिदत॥कतव
लिमन॥उंयवाहुला॥ततामिमक
य॥उंमयहगनि॥मयकुलगीवग॥
यकादगममिधहाम॥अजियाताम
॥लिखितामानय॥स्वाहा॥॥युवाद्या
नउरुनाद्यातन॥वकाकनियेययान
वाकी॥उंयजायतयस्वाहा॥अनिकु
याहुवममलिमिलासलखन॥थयान॥
उंकयालायस्वाहा॥उंअन॥वाययि
लदवानायाययि॥नसिवाकगस्वाना
थकामडयधवासियास्ययनिधीन
कामस्येनालयस्वाहा॥उंदमनययाय
यिकाय॥उंवायायाययि॥लदवा
नयाययि॥नसिवाकगस्वानाथका
मडयधकामसियास्यययुधीन
कामस्येनालयस्वाहा॥उंदसूयाय
याययिकाय॥उंयद॥वाययि॥

त्वद्वानायायप्रिकनसिवाक्रा
 स्तानाथनामउयधमियास्यगुरुध
 ननूकामस्येतालयस्वाहा ॥ॐदं
 नमसेयायप्रिकय ॥ॐगंधर्वयाय
 प्रिकर्तद्वानायायप्रिकनसिवा
 क्रगस्तानाथकामउयधमिवोया
 स्येय-लमघीननूकामस्येतालय
 स्वाहा ॥ॐदं गंधर्वीययायप्रिक
 य ॥ॐयजायनयस्वाहा ॥ॐदंय
 जायनय ॥ ॥वक्रादिमकलसंघ
 गाद्रुमिचिअ ॥ॐगाद्रुमियूमी ॥
 गतसिलाद्रुमिचुगाद्रुमिकम ॥
 सतिधमहवक्रादिस्युवागिलाद्रु
 मियूमी ॥कमजधूनक ॥
 गगावधयद्रुमिहामनयार्थविनम
 लासावस्वत ॥यनयला निमिचुन
 ॥ॐनकाहन ॥वलि ॥ॐअधवा ॥अ
 र्थयागलखनकाय ॥ॐस्वस्मिनूदु
 ॥वधूनवक्रादिमस्तानेक ॥धूय
 दावसाय ॥धनिधूनकाडा ॥मनरु
 गाठयानवाय ॥सयाजानवाय ॥
 ॥ ॥यनयवचमिधनमलिहाल
 ॥विधिधमयायगिनखनलमध
 न ॥ ॥सलिसिलासवाकलनन
 हाय ॥ॐयनेयगिघावपुधुगुरुय
 लमघीतिदिगागनरुनघीननकिन
 मि ॥साजाअर्तमयासरुसाविनि ॥अ

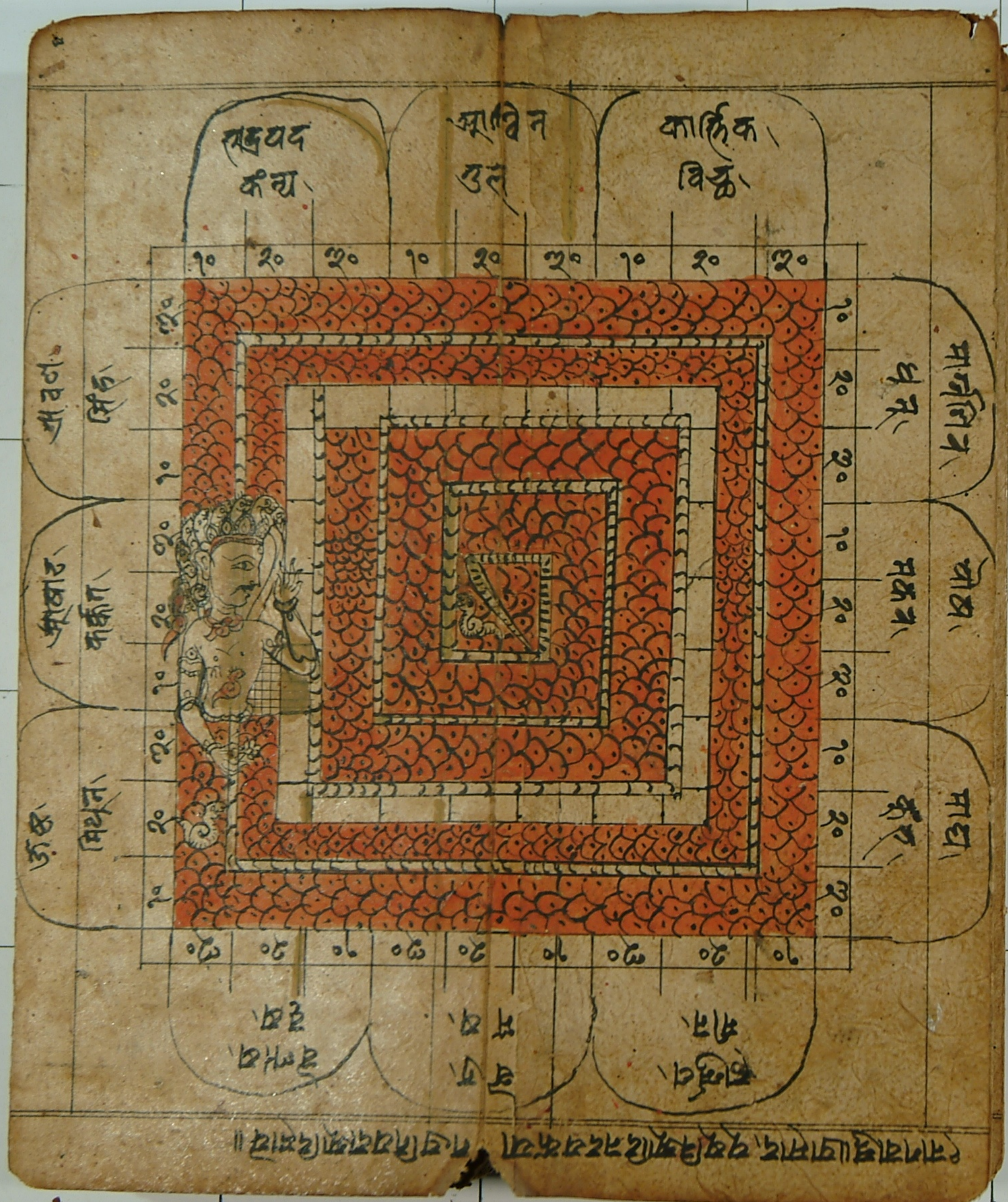
मकद्वीनिसवीद्वी ॥अर्धयागलख
 नकाय ॥सिधुमहवाय ॥यागलयास
 कय ॥सिधुचययनय ॥यानाता
 नगाववमुवक्रादिसुगन ॥धक ॥दि
 वक्रादिमविअ ॥ॐसिन्दुनावाहन
 समुद्रकेममु ॥ॐतंडविद्वदा ॥मि
 इनमवमिचुर्थनिरसाधार्थनवया
 स्वासिनादीधमायययगयोगादि व
 धन ॥चन्दनाद्यानीवाद ॥सिधुमह
 वाय ॥ॐपीधन ॥यनिहा ॥ ॥वध
 लासावावचरितस्वमिकमस्वत
 ॥चनयाननयाचक ॥यनयनहि
 यावक्रला ॥मकु ॥ॐयाहासुयागल
 दधमिचुस्मिचिस्मिमाॐमीॐसा
 नित्वावाचयमिति ॥ॐस्वस्मिनामिमा
 गा ॥यनयकलकिसकय ॥ ॐ ॥
 गगनरुमिहामि ॥लनिकयोद्विक ॥वा
 क्रगजुजा ॥वधूनवक्रादिमस्तानेक ॥ॐय
 कसमीमिमहदयीदिविचद्वमसित
 ॥वदाहनद्विद्यालयलममलनदल
 नजावमलनदलनॐपुव्यामपुव
 या मलनदलन ॥यवधन्यादि ॥
 धनमामधियाय ॥वलियुजन ॥दीव
 रिकादाम ॥यायप्रिकराम ॥व
 लहन ॥दकिमदान ॥ ॥गगन
 रमपुद्रुमि ॥ॐदवागय ॥ॐअ

0 5 10 15 20 25 cmts.

रलि ला इ न ए न क क ल ग न ल ग न वि भ ह य सु न क न
ग न ग न ग न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
ध न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
क न ग न ग न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
ध न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
आ व भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
आ व भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न
ह व थ व भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न वि भ ह य सु न

7

0 5 10 15 20 25
cmts.



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीकार्तिकाय नमः ॥ श्रीविक्राय नमः ॥

एकलगायुत ३३ दालाखय २१ गिवा
न २१ व ३३ जाल ३३ नवल
वलि ३४ मलानवल २० वयगा
यजा ४० जलसि ११ सिजलव
नंय २१ नाकाययगाय ३३
लिखालवेकुल ममलसि ११
३ वलियाग सिद्धनल मिदल
कयाग ११ दिक्क २१ अद्वान
११ द ३३ कर्णयगाय १२ २२
रुदि ११ वरु मधिजा २० चालम
कां ११ सिद्ध ११ धनिज ३३ कागा
वय ४० वरुज ३३ का ११ पुगु
नि ११ गाव सलिलाला ११ न
४० आवगि ४१ वरुदिजा ११ दव
आवमग या १२ द ३३ सिद्धम
कवदन ६ खानलाखान ११
मालखान ११ द ३३ नसाक
मिजेलाक ११ वधीनायाग था
दास ॥ जलालयग ॥ मकसिल ॥
माधुवाधु यरुज ३३ धी जालन
हल ॥ यरुजालन मालका सासि
कायनाययाग यजहायमाल
यज ३३ मलानवल ११ द ३३
१ कर्णयगाय ११ वयगाय ॥

३३ वरुज ३३

वरु मधिनालका ॥ अर्ध ३३ ॥ यज ३३
विजा ३३ ॥ यज ३३ ॥ यज ३३ ॥

जा ११ नाययादास धाज ३३ अर्ध
नयान ११ मरुजा ११ वरु
मधि समयधीना दाद ३३ रु
सि ॥ कायनाययाग दालसा
धमअन महालसा भव मव
मदगसा आचान ॥ मरुगाल
वा सगुगयाग ३३ वाज ३३ बिका
हान ॥ आचानयाग चालसायाध
नाकल वियमाल ॥ कायनाय
अद ३३ आचानयाग कल ममा
लयरु याक क आचानयाग
रुका कल विय ॥ र्ध ३३ वरु
६ सियारु लवि १४ मगयाल
आक ३३ ॥ यरु कनक आक
सका अधक होयमाल ॥ म
मिद ३३ आकुल ॥ चगामधिया
१४ मगि मगि विय ॥ कल ३३
लियार्थ कादियमान रु सियागय ॥
आचानयाग ममाल ॥ ॥ मति ३३
जाकुल लाकनक यरु कनक मय ॥
कायनाय मयुजा ३३ नयाग ३३ द ३३
इति मदन ममव ॥ ॥ धनिद
मुलियुजाया विधि ॥ यचाल
महा मयाक क आचानया
ग रु सियाधु नाकल ॥ काय
नाय अद ३३ आचानयाग म

॥ यज ३३ ॥

25
20
15
10
5
0

cmts.

5

10

15

20

25

30

35

१७७३

ॐ वक्राज नमः ॥ दल क्रिया वि
 धान लिख्यता ॥ गुरु धर्म र्थं वरु
 ली मन्त्रान यन्तं तथा ॥ चूडा वर्ण वि
 दारु प्रया का ॥ ४४ ॥ दल क्रिया ॥ ४॥
 ॥ गंगा गुरु धर्म वक्रा मि ॥ ॥
 वाक्पत्र वक्रा यथावती मातु
 द्रुय क ॥ ॥ धर्मादिनी तस्युता वि
 यक ॥ ॥ म्याल गच क सिद्धि न सा न
 टा ॥ निधिया सा न ग मूल द्वा ल स
 ख मय गिया र्थ गय ॥ वाक्पत्र य
 श्व सा काल मा शुभु लि ॥ दलिया
 श्व सा धु क गुलि मूल द्वा ल स मि
 थि सा न वना य ख मय गिया र्थ ग
 ॥ द्रु स क न द्रु स सखा र्थ गय ॥ वध
 सूर्य म सा च क ॥ ॥ वृद्ध व गाय क
 र्मा य क ॥ ॥ धव र्मा क ग क म य क
 द्रु ग विय क ॥ व क न ॥ ॥ वक्रा क द्रु थ व
 शु न वि म द्रु या स गु ठ र्थ का दिनी
 न विय क ॥ ॥ या द्रु क द्रु य य व नी म
 र्थ माल द्रु य क ॥ ॥ व म न गिय
 क ॥ ॥ म्रि क व न ॥ ॥ र्थ का दि र्थ न
 व द क या य ॥ ॥ वाक्पत्र य ॥ ॥ काल
 न ग ॥ ॥ उर ना व नी न ॥ ॥ रल कि

न वलि गुजा वना दि माल कर्तिया ॥
 य च ल न को मा नी तया ॥ स गु वं स
 द क र्थ गय र्मा स द्रु वि न र्थ य ॥
 ॥ वठ मि थाल ॥ क न व ॥ च सा वला
 ॥ द न क क यी ॥ ॥ उ क क क यी ॥ व
 ल ग म ह ल ॥ ल स थ ना ॥ ॥ म्रि ड ल स
 ला ॥ ॥ क काल क ॥ ॥ या न क ॥ ॥ द्वा र्थ ल
 खान ॥ ॥ म्रि क न ॥ ॥ म म गु ल या सिद्धि न
 ल क ॥ ॥ म व क ल च या न ल क ॥ ॥ ध्व न
 स गु ठ स द क र्थ गय ॥ व द म गु ल
 र्मा स क ल न ग य माल ॥ ॥ द्रु क र्थ सि
 ध र्म गय ॥ ॥ य न थ व क न वि क र्म
 या य ॥ ॥ य था य धा वि धि म क न क
 ल न म्रि नी ॥ क ल न नी ॥ ॥ द क न थ
 न ॥ ॥ उ न ला या ॥ ॥ मि व क र्ण मि म्रि
 द्वा ना र्थ न य ॥ ॥ १०० ॥ ॥ वक्रा क द्रु य
 य मि म्रि क र्थ व द मा स न र्थ य र्थ ॥
 ॥ वक्रा य द्रु न ॥ ॥ म्रि ॥ ॥ यी न यी न
 च उ र्वा र्थ व क र्ण न च गु ना न र्थ ॥ ॥
 म य उ न स म्मा व र्ण न म्रि व क र्ण न म
 म्रि न ॥ ॥ वक्रा क द्रु य य मि म्रि क र्थ
 न ल र्थ वि धि य नि य र्ण म म्रि ॥ ॥ म्रि
 क ल ल य व द मा स न र्थ य र्थ ॥

ब्रह्माकालन्यासबलिधननगया
 वधयाजवननधनका॥ॐ धनरा
 श॥ॐ यज्ञनमनउतयूज्ञनधिया
 धियाधियस्यवृहस्यनिधियध
 नहाविहगादधधयूनाविदक०
 नमहाददसविद्युयनिमुनिस्वाः
 हा॥ॐ धनरायश॥ॐ धनविष्णु॥
 ॐ नमोमायश॥ॐ नमोनातीधनमती
 हिरन०सूयवसिनीमनवदनस्य
 यस्कनावादसीविष्णुवतदाधक
 कृपुधिदीमरितामयूखेखाहा॥
 ॐ नमो॥ॐ दवपुनोदवखाधाष
 नीयावीधनमधनकल्ययनी॥ॐ
 धनयज्ञनयतमाजिह्वननस्वंगम
 हमावदतदधीदुर्थमायुमीनि
 धीनिहोदिह्यजातिनिहोदिह्यम
 गनमधविनिर्मम्यधिया॥ॐ अनि
 लायनमहा॥ॐ विष्णुनर्कवीर्याति
 यवार्चय॥ॐ धियानिधिममका०
 मियासकलायदहन०सधस्कः
 विचकमा०कुधनमयाविष्णु
 वता॥ॐ नमोलाय॥ॐ दिवावाः
 विष्णुउतवांमहावाविष्णुउतानीत

वृधिया

निहानाउरुहिरुकावसनीयदार्च
 ययस्वदकि०मदानमयाद्विष्णुवः
 ता॥ॐ ययुसायनमहा॥ॐ यतद्विष्णु
 सुवनदीयेनमलगनरीमकुचनी
 निविष्णु॥ॐ स्यान्वगिष्णुविकमला
 यधिक्षियन्तिरुवनानिविष्णु॥ॐ
 यरासायश॥ॐ विष्णुवनाटमसिधि
 ध्या०प्रकम्भाविष्णु॥ॐ नमिधिष्णु
 वासिधेयुवमसिधिष्णुवता॥ॐ॥ॐ
 वक्रलोतमहा॥ॐ वक्रयज्ञन॥ॐ नमो
 वक्रन॥ॐ वक्रायतनत्वदतान्यः
 न्याविष्णुपुयादियनितावरुवाय
 क्तमासुशरुमस्तनासस्तवय०
 स्यामयतयानयोनी॥॥ॐ नमो
 कयालादि॥ॐ तातानमिन्दति॥
 ॥ॐ नमोप्रकम्भादि॥ॐ वाक्कलास
 धितन॥॥ॐ मयुता॥॥ॐ दधिन॥ॐ य
 रुवृक्षमयजा॥ॐ यजा॥ॐ यजा॥ॐ सूवीवावी
 ग्राम्यायथाखे॥ॐ वलनतया॥ॐ
 सस्वक्त्यानिधदनीयन्तयानंथय
 सतवधयुवर्ष॥ॐ नवाया॥ॐ यवि
 रुवावेयुशोमविष्णुवृषयसद उत्य
 नमिधिक्षिदवायविष्णुमृथ्यगन्मि
 रि॥ॐ कृष्णलकाया॥ॐ नमोहर्नव

वसतिकियाजातजगत्किलासथः ॐ

लगहर्तव्यदीमिदमहर्तव्यलगम
 क्तिनामिय. भमिनिष्टायममाथानिय
 खामदमहर्तव्यलगमक्तिनामिय
 भमममानायमममानानियखामद
 मरुर्तव्यलगमक्तिनामियभमम
 ध्वयमममध्वनियखामदमहर्तव
 लगमक्तिनामियभमममानायमः
 समानानियखामदक्तिनामि ॥
 लममम ॥ ॐ हिवयगकसमव ॥ म
 याल ॥ ॐ यसाः यविममि ॥ सिधुम
 ॥ ॐ यिप्रत ॥ ॐ द धिकायाति ॥ ॐ द
 द्यायिस्त ॥ ॐ यारुलनी ॥ यतिमु
 यम ॥ ॥ मययति ॥ ॐ यरुवनेकव
 कावन्नलकीवृद्धममयययमयार
 नहिउर्वकनिद्वदीहिस्वसिगयति
 नरयातिद्वद्वन्युषासयजामरु ॥ ॥
 वलि ॥ ॐ स्वकानद्वयालायमूर्कथ
 ॐ दमासर्तयय्यश ॥ ॐ यदालमनि
 नादुमारुदावाति ॥ ॐ रागगडाध्वव
 राडाउतयनसय ॥ ॥ कामा ॥ ॐ
 कोमावीमयुवासनाकिमहिनाय
 मूर्कथ ॐ दमासर्तय ॥ ॐ वाक्कागीम
 मगय ॥ ॐ यमसगम ॥ ॐ यमययि
 यनाममि ॥ ॐ यमसगम ॥ ॐ यमययि
 मायवनीवतकनअकय ॥ ॥ यद

द्वानामनादिमूर्कथ ॐ दमासर्तय ॥ ॐ
 विष्टतयुद्धमिता ॥ ॐ ॥ ॐ मादि
 यादितवयदय ॐ दमासर्तय ॥ ॐ मा
 कृष ॥ ॥ ॐ यलाकयालय ॥ ॐ दमास
 र्तय ॥ गगनान्ता ॥ ॥ ॐ यवकुल
 दानिवायमूर्कथ ॐ दमासर्तय ॥ ॐ
 सद्याजानायममीति ॥ ॥ मासादि
 यकादिसूर्कथय ॐ दमासर्तय ॥ ॐ
 मूर्कमासा ॥ ॐ स्वसित ॐ दमा ॥ ॐ य
 ययुधिया ॥ ॐ विष्टतयुद्धमिता ॥ ॐ
 ॥ ॐ मनिद्ववता ॥ ॐ योन्मनि ॥ ॐ धू
 नमि ॥ ॐ तजानिनुकम ॥ ॐ यारु
 लनी ॥ ॐ यनयतन ॥ ॐ मनायुति ॥
 यति ॥ ॥ ॐ यीनयीगचयुधिया ॥
 कावचयुनाननी ॐ सयानसमावृ
 ट्तमेवर्तनमयुत ॥ ॐ यल्लामा
 वलीयासरुनमागुविरीय ॥ ॐ य
 यनयुवामयुमार्क ॥ ॐ ययतनम
 ॥ ॐ विष्टतयुद्धमिता ॥ ॐ ययुधिया
 तनम ॥ ॐ यविष्टतयुद्धमिता ॥ ॐ
 कनाउम ॥ ॐ नित्यानन्दयनमा ॥ ॐ नि
 ॥ ॐ यनयतनमयुत ॥ ॐ यमातीतयन
 नयिनेवर्तनमयुत ॥ ॐ नमस्कयि
 लदवितनमस्कयनयुजितायवि

सर्वदा धनपूजितं वनमायदा को
 मात्रीमयूना वृत्तानका सीनकवा मि
 नी। गका दविन्दमडा युगुद्ध ध्वनि
 ममुत ॥ १ ॥ दधनमसुखं कलदव
 नमानमः कानदवगणः सध्वयुजा
 गृह्णतमायुत ॥ यथा वानयुगानां
 कचर्वरुवतिवानां गणदेवविद्या
 नानिनिर्हवतिवानां ॥ यजमान
 स्यवधुगर्हधनसूयवधुगनिमि
 त्यर्थवक्ता चैनविधौ नमर्षविपवि
 यूयुमसु ॥ धनिकलनयूजा ॥ ॥

ततः कूलिकुम्भे ॥ ततः अथ दामाध
 न ॥ कूलिकुम्भे ॥ यत्र साधनयाय
 मति ॥ प्रमिया नाम ॥ ॐ मन्त्रा गन्धर्व
 हा ॥ गिला इमियुयर्थनयायकम
 र्ण ॥ ॥ ततः अथ कर्मस ॥ वधुगन
 यूयावका गहया ॥ यवकिश्रायाव
 यककिया लिवनस्वसिगकथाया
 धमसगया ॥ मृषा रिमस्वयायमा
 ल ॥ ॥ यत्र यननिर्मकनयाया ॥ ॐ
 नकाहर्ण ॥ वलि ॥ ॐ मृषावा ॥ लय
 नहाया ॥ ॐ स्वस्ति नः ॥ यत्र यव
 धूमश्चकलननमानयायक ॥ ॐ य

पुनर्मनउत ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं दीविश्रु ॥ २ ॥
 ॐ ह्रीं वावगी ॥ २ ॥ ॐ दधनपूजा देवस्था
 द्यावर्गयाचीयनमध्वकल्ययनी
 उर्ध्वयह्नतयर्गमाजिघनर्ग ॥ स्वीगु
 दमावदगदवीदृश्यमायुमा निर्वो
 निदिष्टयर्गमा निर्वो निदिष्टमग्नम
 यविर्मन्युधिशा ॥ ॐ विष्णुर्नर्कवीर्य
 नियवाच्ययः याधितानि विममनका
 रसि ॥ यास्वरायदूकनः सध्वकृमि
 यकुमानकुधमगया विष्णुवला ॥
 ॥ ॐ दिवावा विष्णु उत वायु धिशा मि
 हा वा विष्णु उत वायु धिशा मि
 हकावसूनाय वस्त्राय यच्छुदक्षिण
 दागसशा विष्णु वला ॥ ३ ॥ ॐ यतः
 द्विष्टुमवत वीर्यवमृगमरीमः कय
 नानिनिर्हो ॥ यस्यान्यत्रियविक्रम
 र्वायधिक्षियनिरुवना निविष्णु ॥
 ॥ ॐ विष्णु जलाट ॥ ४ ॥ नाथियूजा
 याचकयूयन ॥ कलन दक्षिणाल
 वद्धाय ॥ नउनधकगुलिलसिचद
 मगुलमगयक ॥ लुमियायक ॥ व
 धूमवर्लखनमालयक ॥ ॥ द्रव्या
 वक्रगावताव शिवमननियक ॥ ॥
 लकनगादितियक ॥ ययगयविय

॥ यनः प्रकलनवाले खर निहाय ॥
 मूयार्धयाचक ॥ कागालमलखेतय
 वक्रसकनममधिविय ॥ नखससाद
 इलखचदनादनययलनयनकस
 ॥ थवधनजानक ॥ पुष्पारिमूख ॥ यन
 यनयउय ॥ उं अघवालाहल्यनि ॥ उं
 मयादि ॥ यजामानस्यनि ॥ दमर्धगृ
 हानस्वाहा ॥ उं अदि ल्यगकययसास
 मनिमरुयययनिमा ॥ विप्रवृययवि
 वृद्धिरुमामा ॥ रिम ॥ स्त ॥ नतायूखैक
 वृद्धिरीयमान ॥ नखयूजा ॥ सूर्य
 कयकाययानयूजा ॥ प्रीमूयय
 दमासमर् ॥ अयवाकन ॥ यनय
 यधयदीयनेवधधिविवा ॥ साग ॥
 उं यवाकस ॥ मर्कस ॥ अगर्धदि
 ॥ कागालमयादलखनयनयनम
 रिधकविय ॥ उं स्वस्तिन ॥ ॐ ॥ सा
 नीर्वादि ॥ उं प्रीनमलदी ॥ ल ॥ पूना
 दिगनकाय ॥

धनानस्यमिसाधिकादिद्वयनवधला
 सालावर्लखधधयावरुययकसिहा
 सनसगय ॥ ललिकस ॥ यनधनकन
 नधियावगितनमसाधनयायक ॥
 वीरुमनि ॥ उं स्वस्वाहा ॥ घृगनपूवा

॥ उं वक्ररुन ॥ वधुवर्लनकलनका
 वनवानवाय ॥ यन ॥ ॐ स्वस्वाहा
 ॥ उं दत्रिक ॥ उथवाय ॥ यन ॥ उं
 स्वस्वाहा ॥ उं नम ॥ रितवाय ॥ ॥ म
 धियायादकनकाय ॥ मययीन ॥ ग
 र्क ॥ नधनी ॥ यवलातधियाव ॥ उं म
 रिमूर्ननरिमूर्न ॥ उं यवारुग ॥ मवि
 तामददायुव ॥ कल्ययनाती ॥ रिस्त
 लाम ॥ लव्यायानिस ॥ मृजतरुजा
 येनानवादशानु ॥ ॥ तारि ॥ नधनी
 ॥ उं गक ॥ दहिलिनीवालीगक ॥ दहि
 यथयुक ॥ गक ॥ ममिनीदवावाध
 र्कायकनमजी ॥ उं नकमययनाय
 नसयुनयननायन ॥ मयाययन
 काथगकमादहिनयमान ॥ ॥
 वसाय ॥ मसा ॥ मया ॥ तारि ॥ वामा
 धयन ॥ उं नतामिर्गविडाहानि
 निवदिगदिद्विय ॥ गकजिनायर्
 वृतउल्लडाहानिजमना ॥ ॥ थि
 कादिनीनमतरुताउवानवाय
 ॥ सगुणदका ॥ नवाय ॥ उं स्वस्ति
 निनामिमीता ॥ ॥ यनयनवका
 दिविय ॥ उं वसा ॥ यविगमसि ॥

काम ॥ वायुपिकादि ॥ वलिकुर्व
 ॥ दक्षिणवर्त ॥ संप्रवर्षासनी ॥
 समिधियान ॥ अत्रिपुत्रमरिथकय
 नीतायकन ॥ यूष्म ॥ उंदवागभु ॥ उं
 आशाया ॥ ॥ जामसा ॥ जाय ॥ मधु
 लका ॥ उकापणीगविसर्जनी ॥ व
 काकनरुन ॥ उकाकनपणीता
 रिथक ॥ उं समिधियान ॥ उं मनुया
 ॥ ॥ कलनामिथक ॥ यदन सिद्ध
 समुनीनीर्वाद ॥ सरुमावमिधुमिध
 ॥ गवययादिस्वस्ताननथरा ॥ उं य
 रुय ॥ यरुविसर्जन ॥ सामधिध
 सामधिद्राय ॥ सूर्यनक्षिधय ॥ धन
 वाधवमयियनखनवाधवय ॥
 समुनधविचयनधियावसंधा
 लीनान ॥ धयासमधिम धसा
 माधिसंजकगदनममाल ॥ मा
 मधियचित्रनाजकलकाय ॥ ॥
 निगहोधनविधि ॥ ॥ ॥ ॥

यूनमथयुवर्ण ॥ बुलायामान
 विधि ॥ मासधितायन ॥ अथ
 मंवाकार्य ॥ यथायूनवस ॥ मृग

निव ॥ रुम ॥ मूल ॥ प्रवर्णनिवर्ण
 मनकणलिपुक्रुलदिन ॥ ॥ सूर्य
 नूषवागनरिदथायसायावपुति
 लखकायावरु ॥ यूनयूनगीर्थ
 कादिधिकादिनीस्तानयाय ॥ धका
 दिनथावदकयाय ॥ वाक्का ॥ उं यडा
 मतिमयवधयुवर्णवर्णमद ॥ मरुद
 कयवादकवृद्धिपुद्धकवृद्धि ॥
 ॥ ॥ कूसायथाकूमंवीथक ॥ नक
 वा युकाववा ॥ धासंगयकाव ॥ कास
 खायानपरायाकावतय ॥ जय
 माला ॥ नकिधिरुमस ॥ वनम
 रयकाथसा ॥ नकवमनचुगयका
 का ॥ रुसिला ॥ धनडनि ॥ ॥ वीन
 मलावीन ॥ लाडनि ॥ कायत्य
 नयव ॥ नाजहंस ॥ गायव ॥
 वासिडा ॥ वाक्का ॥ चनखुनि ॥ ना
 वृवनाईवन ॥ नयडा ॥ खा ॥
 झाक्का ॥ सिला ॥ ॥ ॥ ॥ नामला
 रुडला ॥ गुरुमाटसमाकीर्णय
 लायवीतययनय ॥ यवाकवा
 यालथन ॥ सगर्हसगय ॥ मना

वसथकावभंता॥६॥धाम्नि॥समल
 स॥कलस॥नागायनस॥स्वाय॥
 रुनस॥॥लश्वानध॥शायवह
 मनयालश्व॥मासलश्व॥नास
 ललश्व॥ठवालश्व॥मगलश्व
 वा॥धनिमधिता॥६॥सुवर्गुदकि
 वा॥दानवियकुद्रयात॥यीतय
 वृदिमालका॥यूजायदानयात॥
 क्रादुमकनयसलिव॥नकचद
 ननयक्रीयवीतययमालुका॥धु
 न॥क्रादुमकनय॥थकन॥गाय॥
 सगुवनविविमहनसार्थकादि
 नीनथखालस्वसविधिधुक्रमा
 लथालभायमाल॥दकायाचक
 मानकलसमथादजाकथानक
 ॥दयथो॥पुचिवभनयविधाय
 ॥॥पुवोदलयीतयुनदाद
 नयग॥१२॥यदलित्वा॥अदुम
 ययुर्कृत्वा॥ययुर्कृत्वागय
 कमानकलन॥१३॥यथ॥॥द्यानम
 गणयतिकयतालसगुणमालका
 तय॥यचलदवगनसाचकन॥
 यजमाननपुर्वारिसर्वकृत्वायु

वि३

३ क्रादुसंययनासिक्कादुसंभासुगलिक सुयतववृनदयक१३

जय॥
 र्थकादिनीनवधूलासावरुय॥स्व
 मिकसययययाखवसर्वसाचक
 ॥निमिर्कन॥३॥वक्राहर्न॥वलि॥३॥
 मध्या॥कलखहलकावगय॥
 थखालस्वसवाचनय॥शुयन
 यंनकुमानसयुन॥यथविधान
 न॥॥भासिना॥३॥मयादि॥३॥वधुय
 णवगमदलकुमानकवल्भननि
 मित्यर्थकर्तुंभीसूर्यायमर्धश्यर्थ
 ॥यथराजनी॥पुननमस्कन॥न्यासाद्य
 याययुजा॥अलमयुजा॥नगकमाले
 कलनलगाधनी॥अमुगयाकर्ण॥
 ३॥यथादयाअमुययुन॥धुयक॥
 ३॥यथादयादमुययुन॥अदुम
 नगाठनी॥३॥नममनदमन्याव॥३॥
 धीमहीतिकवचायक॥अमे१३कव
 थनावगुठनी॥धनमुडादलथय
 ॥द्यालखानलगकसगया॥कन
 नकीयनयन॥कवलखव॥३॥क
 मानायनकिमहितायलीममय
 योत्वा॥१३॥यवनीनिमित्यर्थ॥३॥
 गक॥३॥रुतिवृत्तिकारिकयायम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

धियगय ॥ दधिग ॥ ॐ धमकमुचि
कलाधियगय ॥ ॐ धम ॥ ॐ लम
दवायनमन्मलाधियगय ॥ ॐ धम
वउदीयवउदीय ॥ ॥ पूवादिदाम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
य ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
कवनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
म ॥ ॐ धम ॥ ॥ चउधुन ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
गुनयनम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
॥ वा ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
ययपन ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
य ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
दि ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
निम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
माय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
विद्यनखाय ॥ ॐ धम
दिदलय ॥ ॐ धम
ॐ विनखाय ॥ ॐ धम
य ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
कय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
मनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
किमनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम

ॐ कमानाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
गुहाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
महिनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
दियादिनवगुहाय ॥ ॐ धम
दादलनालिखा ॥ ॐ धम
गिधिया ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
जा ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
गलागलाय ॥ ॐ धम
स्यगमिगुगु ॥ ॐ धम
॥ मगु ॥ ॐ धम
सचिन्नावि ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
काया ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
लनी ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
ल्यम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
मानो ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
यायना ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
मयविद्याधिया ॥ ॐ धम
मूर्जयजमानाय ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
दानादि ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
स्वस्तिन ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
ॐ विद्या ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम

निरुक्तम ॥ यमिष्टा ॥ ॐ मनाहति ॥
 ॥ नतश्च यवयव कतिश्चलः
 नमथदाडिद्याडिहयागुलिजाक
 सुखामन ३ धनकमानकलनमथ
 ने ॥ यद ॥ ॐ या १ रुलनी ॥ कतन ॥ ॐ
 रुलाडीनकसुगेष्वनकसकामचन्द
 ने १ गुडादकेष्वगेष्वनेवेद्यवलिपु
 डयत ॥ ॐ यउमाउक रुल्ययगा
 मूलवृयदीयकक ॥ यगजानमया
 चिकामुत्रयङ्ककमानक ॥ ॐ नि
 रुयणी ॥ ॐ कमानायसगयविवाय
 यगस्त्राननकचन्दनसिद्धनराकत
 ययध्वयदीयनेवेद्यादिसर्धनम ॥
 ॐ कमानायनम ॥ ॐ निमकुणजा
 य ॥ ॥ मगुलसक ॥ नकाक
 नजायति ॥ ॐ यमनागयति १ मो
 म्य १ वकामाल्यानयन १ मवालावा
 रुवृयायययुक १ लिखिवारुन १ ॥ य
 १ रुम्वदन १ पीमान्जिलिखालकि
 मयग १ ॥ कृत्तिकावक्रिन्डा १ सम
 रुत १ मनाचिन्ता १ ॥ वालवृद्धासदाय
 नागुठनगुलसयुत १ ॥ यवमानाधि
 ना १ १ रुकागहयी १ यथाहउ ॥

ॐ यमजानारविश्वसर्वदाववि
 वरुिग १ मालकासमुनियाय ॥ ॐ
 वायाहयायकमाहयायात्माया
 यमरुव १ गहिमादवदयनमथः
 यायहवा १ रुव १ ॐ येमानयत्ना १ य
 सव १ रुह १ नमगर्ध्वादि ॥ ॥ धतिदि
 र्थमाला ॥ कमानकलनयुजा ॥ ॥ नी
 मकामयनना ॥ ॥ अद्यादिगुननमर्क
 वयासादिकामयुजायाकावहवा
 र्थनादिथलना ॥ नित्यं १ ॥ ॥ नता
 वाकगयुजा ॥ ॥ रुदमासन ॥ रुका
 र्थवन्दनययध्वयदीया ॥ ॥ नम
 कल्या ॥ ॥ मगर्ध्वादि ॥ ॥
 कमानकलनयाहवन ॥ ॥ लिखा
 ल ॥ ॥ कृण्ववा ॥ ॥ गुनिलख ॥ ॥ लारुमा
 लाया ॥ युजायाय ॥ ॥ कतन ॥ ॥ ॐ निर्व
 यश ॥ ॐ उमाय १ ॥ ॐ नम १ १ रुवाय
 ॥ ॐ १ रुमधिक ॥ ॥ रुवमवलिखा ॥
 ॐ नम १ १ रुवाय ॥ ॥ खवसकल ॥
 ॐ १ रुदविमृ १ ॥ ॥ दधुसपुनिलिखा ॥ ॐ
 वक्रयकूर्त ॥ ॥ लारुमास ॥ ॥ सुतिल
 खगयावउलसिथालहिया ॥ ॥ पुन
 र्थ १ ॥ ॥ रुल १ ॥ ॥ रुवाथालहिया ॥ ॥ ॐ

सिनासिमीताय १० न ॥ ७०

थागर्ल ॥ उं स्वस्तिनामिमीता ॥ स्वस्ति
 चर्न ॥ उं लिवालादि यधनकावका
 याउमयालात्रिस्थं जवसगय ॥ ग
 मयमगुलमयद्वामनथायाउता
 जाकृतामदकास्यंगय ॥ धधकृण्वा
 लवृर्गकायालमयालविठावधया
 खवसगय ॥ ॥ धउअधीयूजाया
 य ॥ कतन ॥ उं उअधगामेनरहि
 रसी ॥ नगायनयनयूजायाय ॥
 धधनकाव ॥ ॥ गतमिमार्थका
 दिनीनयधमगरुतालचानत्वा
 य ॥ सगुननवस्कादिनत्वाय ॥ उं
 स्वस्तिनामिमीता ॥ क्रादुसयवता
 मि क्रादुसगा मिधुलविद्ये ॥ उं व
 सायविग ॥ यूगकामविनिर्ता ॥ वी
 र्यवानिनिविनिर्ता ॥ यत् ॥ ॥ उ
 उमिवालायायालकायावयून
 अलवधयाउवसक्रासमगिमि
 स्यंग ॥ उं असूनगिमिद्वसर्व ॥ उं
 दिनलपनर्क ॥ ॥ कृण्वालाकार्य
 वखक्रासमगिमिस्यधन ॥ उं
 मरुतमरुतयुधिष्ठिरमाद्यवि
 धकर्मदासमवर्कतापुनस्यउ
 हाविदधु यमनितनृनस्यध

यत्त्वमाजानमग्र ॥ वध्याग
 र्कमधिर्गय ॥ मन्त्र ॥ उं मयधुमि
 गन्तमिष्टकृत्तिनागयर्गयद्रुद्र
 उधनवयकोमाममात्ताकुन्दाशम
 शानिमा मन्त्रदशयद्रुयद्रुयद्रु
 धृष्टामरु ॥ मयधुमिगन्तमिन्द्र
 वगच्छयत ॥ अयं निष्ठमिन्द्र
 ॥ ॥ उं यद्रुमयधुमिगन्तिया
 नविष्टकमय ॥ ॥ यन्त्रधमः
 धादकेनवधुमिगन्तिया ॥ उं र्वज
 विष्टदामखात्रायाक्रियूनधीनिः
 नलदाताकमदत्तनात् ॥ ॥ त
 न॥ कमानकलनयउं नयूजा
 ॥ कतने ॥ उं ददयाययादि ॥ ॥
 दम्यहो कनाजलि वध्यायार्थना
 य ॥ ॥ उं यद्रुमयद्रुमयद्रुमि
 मर्ललेकिहर्कगगनगलविया
 नयस्थकीर्त्यामयून॥ मकनय
 वनना ॥ धादवदव॥ कमान॥
 लनववगवगमकृत्तिनामा
 निजा ॥ न॥ उं नम॥ नमैकमा
 नायस्कन्दायनकिधानि ॥
 मयूनवववाहायविष्णवाय

नमासुत ॥ उंयसादकनुमदवय
 पुयोगादिवर्द्धनं लक्ष्मीसोराय
 सकार्त्तधनधान्यप्रवर्द्धनं ॥ उं
 नमस्समेकमानायय कान्तये
 वराधितं दिशारनगरस्वोय
 विन्मखायनमासुत ॥ उं सासा
 सशयतवद्विः सासनिः सेवरा
 ता ॥ महाधाताहन्तः योयाह
 लीरवगिर्य ॥ उं अस्मत्पुजा
 नकामनार्थकमानाश्चनविधो
 मृगर्धययधूयदीयनवशाश्च
 नतस्मद्विधियविद्युर्गुममु ॥
 तगावाक्मज्जदिकिणोदानी ॥
 अगर्धधादि ॥ तगावाक्मज्जिनवा
 चनगृध्र वाचनजालताहिथ
 कं ॥ चन्दनसिद्धनसमुपनीषा
 द ॥ उं वक्रागस्यत ॥ उं यगुवाग
 ॥ धकादिनीनवधुमरुलय ॥
 उं याः रुलनी ॥ मानगि ॥ उं गजा
 निन्नुक्रम ॥ गायनहाला ॥ उं म
 नाहृति ॥ इरवारिखावाचकनर्क
 य ॥ दयस्योसृष्टयाययक ॥ द
 किवियद्वानस ॥ दम्यस्योसृगु
 धनिचयधिचक ॥ तगावाक्मज्ज
 वाक्मज्जजान ॥ दम्यस्योकुमा

नकलनदिधुजायायमाल
 ॥ नक्कसंन क्रानिक्कानि यवाक
 खद्यालध्वानकुमानकलन
 सर्थनमाल ॥ क्रिथ ॥ चालाला
 खनद्यावाचनकतीनरुना ॥
 यावत्कुमानपुजार्थविधिगाव
 न्तर्लघयतानदीतनगमान्तव
 हूनकमीनकानयत ॥ ॥
 गियस्सवनविधिसमाक ॥ ॥

अथासीमनानयनविधिवृक् ॥
 यधमंनकमासंयधमंवा पुनदिवस
 वाक्मज्जदिस्त्रानकृत्वा ॥ अग्निर्कृज
 दन ॥ वक्रायाल्लखनकलनगन ॥
 धयाखवसजवसमृक्कलन
 ग ॥ सादृतीर्थलखधन ॥ ॥ उं
 लीचयययवलाजारुलविय
 गुकास्तार्त्तरुलादकं यनीमकी
 नयनविधो ॥ उं ललाययखा
 नागय मवव वियगु धकाता
 रुलादक ॥ धरुलादकानक
 लस्यति ॥ गकुमादिवीहितपुक्
 लस्यति ॥ चयपल्लव राजकुला
 यठहला ॥ कलस्यति ॥ धम
 हवसकलसन वक्राकलनया

जवदालिधनकायका
नाननधनक॥धयाजवसेम
पुनसग॥कलवमुमिदुन
ल॥नोलियतासि॥यनिमध
नेतासर्वयान्यातसजीवसा
दिअष्टमंगलथाय॥नमो
वनन॥यनिमयान्यातस
अष्टमंगलदुर्गखचकन
दायद्यथाय॥मधुवासुदे
वयानामथाय॥समुजया
देवनशसग॥देविनसि
य२॥कनव२॥चसिवला
वर्लंगनहलयाग॥डाहा
लककयि॥अजरासाने
॥देतककयि॥लसथेता
॥वठसि॥॥कनलका॥या
तका॥रुलदुर्वा॥तादिय
थसिधुकाययागसिधुम
दससिधनतस्यग॥॥व
काकलनयादुर्भलदु
नायायगसने॥जवलाख
नकाखायकावत॥धका
खामघा॥ललपुलि॥वा

कूटा॥मकुसि॥यतका॥न
सारसि॥३॥रुलथक॥वा
लमस॥२॥दधस॥क्रादु
यातनधकासुयाव॥थ
थन॥नका॥यका॥पिय
यु॥समुख॥वृयकनन॥
अकत॥सकु॥रुस्वाने॥
धतथन॥धयाजवखव
समिजलत॥नयवका
नहिकाडा॥लयाइकोज
वस॥डाहायाइकोखव
स॥रुदावतय॥धजनल
खतलकीनामायजका
खायकाडावय॥क्रक
सिधुमनय॥नममस॥
कुमानी॥सुयादिरुलकि
नगय॥चन्दनादियुयय
हायवीतखलावत॥नम
यसकायावर्थकादिनय
वदकसाय॥नममसकु
पुलिगक॥वाक॥उंयडा
मसिधवधुनीमकानय
ननिमिथयमायदेवकः

यवादकवृद्धिप्रद॥ याव
 दकधनकाडा॥ यन्मय
 ॥ॐ अशादि॥ वाग्रुड॥ सु
 र्थाद्य॥ ॐ मस्त्रिभु॥ नीम
 कामयमानं श्रवकादिः
 कलनाश्चननिमित्तार्थं
 यरागर्त॥ यन्मय॥ ॐ
 मुखपुमनुलाकोलंति
 मकुंलुनमन॥ यासा
 धीमयुजा॥ ॐ ॥
 ततः कलानुक्रमिकानथ
 ॥ यथयथविधिमकुंल
 कलनाश्चन॥ ॐ ॥ ॐ तः
 लायामि॥ ॐ तिद्यानाश्चन
 कानथ॥ २७॥ ॥ तताः
 विलयाश्चकलनयुजा॥
 कानन॥ ॐ धनाय॥ ॐ य
 अगमनउतयनधियावि
 यावृहतावियजित॥ विहा
 गदधेययुनाविधेकॐ न
 महिदयस्यमविदुः यनिमृति
 स्वाहा॥ ॐ धनायमम॥ ॐ
 ॐ दं विष्णु विवकमरुधाः

निदधेयदं॥ समुद्रमस्यया
 ॐ म॥ १॥ ॐ मामा॥ य॥ ॐ
 ॐ नावता॥ धनमतीहिरुत
 ॐ सूर्यवसिनीमधदलस्य॥
 ॥ यस्कानादमीविष्णुवत
 दाधकृष्टिदीमरितामः
 सुखे॥ २॥ ॥

॥२॥ उंमहा
 ॥ उदव प्रतीदवद्या घाय
 गियावीधतमध्वनकल्यनी। उ
 द्ययकृतयगमाउकनग। स्वर्ग
 धर्मवदतदवीदथमायुमा
 निव्यादिष्टयजामानिदिष्टमगेन
 मधविष्टयिधिया॥४॥ उंमनिला
 य॥ उं विष्णुर्कवीथीविषवा
 र्यय॥ याधिवानिविममनजा॥ मि
 याभूस्तलायदहन॥ मध्वरुं वि
 धकमानमुधान्गयाविष्णुव
 त्वा॥ ५॥ उंमनलाय॥ उं दिवा
 वाविष्णुउतवायुधियानहावा
 विष्णुउतवागनिहा। उराहिरुर्क
 वसनायुधस्ययचक्रदाकमदो
 तमशाविष्णुयत्वा॥ ६॥ उंययुवा
 यशयिगविष्णुवगवीथीगमृ
 गमनरीम॥ कचनानिनिष्ठा॥ य
 स्थानययिष्णुविकनयधिक्षियनि
 कुवनानिनिष्ठा॥ ७॥ उंययामाय
 ॥ उं विष्णु॥ नलाटमसि॥ ८॥ उं
 ययकलनार्चन॥ ॥ म॥ ॥ उं
 वक्र॥ ९॥ उं दममन॥ ॥ उं दमम
 नाय॥ ॥ ध्यान॥ उं यीनीयीनीच

१कमानकलन॥
 उंमहा
 १कमानकलन॥
 मग

कोमाना	सुग	मृ	कलन	मृ	म	म	वलि

25
20
15
10
5
0 cmts.

20 25 30 35

उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं । हं
 मयानं च विशा व मङ्ग माला क
 मंजुलं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 न ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 दि ॥ ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 नायक योजायाय ॥ तं कृतं न
 ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 मास नर्तनं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 न ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 निचयाय मं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 मष्टवार्द्ध धर्मं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 मं धर्मं दवी नृपं गधाय न ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 यूसर्ग कालं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 लयरी दक्षिणं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 वेवाय नृप ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 लं दक्षिणं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 समाख्या र्णं खल दक्षिणं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 गुरु कान्तं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 वास दक्षिणं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 नायक योजायाय ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं
 लं दक्षिणं ॥ उच्चैर्द्वैवक्ता न च युना नर्तनं

[illegible]

यक्ष्मयावृद्धलिङ्गगवायिवर्न
चवकिचवकिआयावक्रयति
गव॥धिनवधूलासावरुयाव
तय॥र्थकादिनीन॥तिर्मन्त्रन॥
उंनद्धारुमं॥मतगय॥कल्लव
हंनकाडीगन॥उंअधुवाचद॥

[illegible]

ॐ यद्वकलनस्तान् ॥ स्नानया
 यधनकाव ॥ वधपुत्रवमुन
 नित्यक ॥ धकादिनीनलखध
 नाधस्यलासावयकूमिहास
 नमवसायकस्वमि कमतय
 ॥ धकादिनीन मगरुताठवा
 नमयाजानवधत्वाय ॥ ॐ स्व
 मितोमिमीता ॥ ॥ यनयव
 धमगोद्यायागदकनहाय ॥ ॐ
 स्वमिनब्दा ॥ धकादिनीनम
 र्मगलयायविनायतामि
 तीविया ॥ ॐ वसायविगु ॥ ॥
 यनयवद्विनेसिय ॥ १ मया
 भावमगत ॥ धनासीमकिती
 याय ॥ ॐ रुडव ॥ ४ मयजा ॥
 यजा ॥ १ ४ मया ॥ ४ मवीनावीनेम
 थायथाय ॥ ४ विनयामि ॥ कण
 य ॥ २ ममतय ॥ ॐ यविगुक्तावेय
 ॥ दतकाकयितडाहाकक
 नमयाय ॥ ॐ मसुननि ॥ वसि
 वलानमथाय ॥ मसावाधना
 जवखवयासलिवनगुलिकि
 य ॥ लिवनमसायसय्याक
 तयविसगधिससाकथाय ॥
 ॐ कणवधनममदुर्लभम् ॥

ॐ मसुननि ॥ यमावीकानमान
 न ॥ ॐ ३ मथवा ॥ ५ ॥ मथवा ॥
 ५४ ॥ मथवा ॥ १०८ ॥ यागकान
 हिने ॥ ३३ ॥ ॐ नकाहन ॥ लमथ
 गागया ॥ ॐ दिन ॥ गक ॥ वलन
 गरुलनविद्या ॥ ॐ साकथाय ॥
 ॐ मयुक्तयानियदनसुनथाव
 सनिकिया ॥ याकोम ॥ गवुक्ति
 नासथयसनवधयुनय ॥ व
 मिया ॥ ॐ मयमूहीवटावृद्ध
 हीवरुलिनीगव ॥ ॥ सिद्धवर्त
 विया ॥ ॐ वसायविगु ॥ मयया
 गलखनहाय ॥ ॐ दवस्यवा ॥ ध
 कादिनीनमिधुमरुनखाय ॥ ॐ
 गीधुन ॥ यनयव ॥ मिधुवकादि
 यागनकाव ॥ धकादि ॥ धकादिनी
 यागथवग ॥ नधनकाडावध
 मिधुकाय ॥ स्वयालमिधुमथ
 सालेयवयव ॥ ॐ मिदुनावाह
 नममदुर्लभम् ॥ ॐ स्वडाविष्ट
 दा ॥ ३ ॥ कयालगायदुलखा
 वानतया ॥ मिधुमविच ॥ ॐ गीधु
 न ॥ यननमचक ॥ ॐ यदयक
 ॥ मयुनधविनखवमतचक ॥

ॐ दधिका प्राप्ति ॥ गजानन डालका ॥
 ॐ नीललालिनी रत्नमणि कृतौ लोचनः
 किं र्थं जननं न धरु अस्या जागृत्य
 तिव ध्वजवधुतं ॥ गजाननमासं
 मसाकथाका ॥ खानमं विय ॥ ॐ
 या ४२ लनी ॥ अकतन कचका ॥ ॐ
 दीर्घाय स्वा ॥ वधूनि गत्वन साधः
 थ ॥ विरिदाय ॥ ॐ रुखाहा ॥ घृ
 तन ॥ ॐ वक्रयकृतं ॥ वधूत्वाय ॥
 ॐ स्वस्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ रत्नाय ॥ व
 धूत्वाय ॥ वधूत्वाय ॥ वधूत्वाय ॥
 नीवाय ॥ ॐ यगवति दक्षिणत
 ॐ तितायुलाही मिवासी ॥ सुस्या
 भियगिकनायुता ॥ जाना ॥ नरुः
 मासदयेयजामता ॥ नितियजाम
 वयसूनामं धरुत ॥ थरुयणीय
 यलूतां रत्नमिति ॥ ॥ वीरिदाय ॥
 ॐ रुः शुभस्वः स्वाहा ॥ घृतनयति
 द्या ॥ ॐ मना दूषि ॥ वधूताय नहा
 ल ॥ ॥ र्थकादिनी नवलासा डाय
 नं करि नखसिक संयुधी रिमुख
 नतय ॥ यनयन वडिन धविन
 मालका आगीतय ॥ चननमत
 व ॥ यनयन वडि डानक ॥ वधू

नचनयययसकायक ॥ नक
 ॥ यनयन वडि वानय ॥ थरु
 ॥ थलकायक लकी मकाय ॥
 यन ॥ नं र्थयैरु संधाने ॥ लासा
 मालका डाय ॥ ॥ यगवति
 संधायलया ॥ कुमानकलनया
 गजाकृतविय ॥ ॐ यदकनय
 कुमानकलन स्वाययु नून ॥
 कुमानकलन विमर्जनयाय
 ॥ ॐ उदयगमसु ॥ सुयनाकि
 थय ॥ ॥ धन कुमानवाक्ता
 वया कायकन कृतय ॥ वास
 मखाहा माल ॥ दानमवाय
 का डाय वान ॥ विनाखसिक
 मयप्रिमा रिमुखनतय ॥ ॥
 गत ॥ कुमानयुजा ॥ यनयन
 काकगतन ॥ ॐ कुमानमू
 य ॥ दमा सनं ॥ थरु ॥ ॥ वी
 वाकनया दार्ध रुसाध नक
 यनन मिदुन नकय कृतयवी
 तयय साधु दन स्वमनवि
 मरुया वक्रविय ॥ धूयदीय
 अन्नसंकल्य ॥ निनुवडा म
 ला ॥ गगर्धदि ॥ ॥ कलन

तजलपृथ्वी वायु ॥ उं नीम
 कानयनादलयुगकामनाथ
 कुमारकलनदानेदातय ॥ अ
 यै ॥ ददस्य ॥ कलनिलजल
 कुमारकलनडाहृतय ॥ वा
 अ ॥ उं बालाहकल्यति ॥ उं अ
 घादि ॥ उं यत्रिस्तानादिमयक
 सादभादकसंयुत ॥ उर्ययद
 रुंकलनयुगजातामुमङ्गल ॥
 उं यथानाम्ना ॥ समक ॥ दे
 धा ॥ नीमकानयनयज्ञादि
 ॥ ॥ कृतं द्युगजातकामनाथ
 नीकुमारकलनदानेदुयमह
 संयुदद ॥ ॥ अथमवाक्य
 न ॥ स्वस्ति ॥ उं कादात ॥ उं
 दकामति ॥ यटलुवा ॥ स
 माविय ॥ उं नरस्यद्रोउकं दु
 र्यमहंसयुगद ॥ ॥ खानक
 जाहावतय ॥ उं यसादकनभ
 दवयुगयोगादिवर्द्धनी ॥ लक्ष्मी
 सोराग्यसकानधनधान्ययव
 धन ॥ उं नमस्तु कुमारयस्क
 दायनकिधनि ॥ मयूनवत्र
 वाहायविभर्यामनमायुग ॥

कुमारार्चनविधौ सगुणध्यादि ॥
 ॥ अथवधन कुमारवाक्कणवा
 वयावयक्तुमिहामनसगतय ॥ क
 मानकलनदिहवनगतय ॥ ॥
 तालथचकयहन ॥ तानायन
 सनादधनमुनियदय ॥ नाजमु
 ति ॥ नाजसंवधिनीगीगहाल ॥
 थयाआरुतविय ॥ उं नाजंगम
 ॥ ॥ वीगथचक ॥ थयाआरु
 तविय ॥ ॥ उं यावकान ॥ वीगम
 लाय ॥ ॥ वनययक ॥ आरुग
 ॥ उं वय ॥ साम ॥ वसलाय ॥
 ॥ ॥ स्वययक ॥ उं यत्रिस्त
 ॥ ॥ मनजादिवर्णस्वत ॥ आरु
 ना ॥ उं विष्णुगधुक् ॥ ॥ उं सवि
 गस्यविगसत्रस्वावाचाल
 दानये ॥ यययुगुतिविडगमवृ
 हस्यतिनावकणवेन ॥ नोज
 मानिनातजसामामनना ॥ वि
 युनादलम्यादवनयायसुगय
 संयामि ॥ ॥ वीनकथयाथा
 न ॥ वायन ॥ आरुग ॥ उं विष्णु
 नलाटा ॥ उं सनस्वतीयान्यागर्क
 मकनसयायलीसकृतविर
 लि ॥ अया ॥ नसनवन ॥ नानसा

नन्द० लिखे जनयं नयनाडा ॥
 ॥ यन्त्रयवयवमके ॥ वध
 नठनक ॥ ॐ सामप्रवनाजा
 नामामुखी श्रुजा अविमकचक
 मासीप्र० मुवदृश्यं नीमकद
 वीमि यानदीयमममिनाकम्या
 नाममुकानि ॥ नीममुकद्वीय
 नुवतीरवतु ॥ ॥ आचार्यसं
 धधर्मजास्याहनि ॥ ॐ वृक्षगय
 त ॥ यूर्ध्वनिष्ठ ॥ ॥ तत० ॥
 साहनि ॥ दन्मयानि ॥ नमि
 कयोदिक ॥ वाक्त्रययुजा ॥ अ
 वधारादि ॥ सामधिशामम
 धिदाय ॥ धधसामधममकन
 धर्ममाल ॥ ॐ ॥ वलियुजा ॥ न
 वेद्यदर्शन ॥ धृतवृत्तिकाराम
 ॥ वलिरुनर्गद्विषादानी ॥ क
 नन्मदियानवाक्त्रययान ॥ ॥
 संप्रवृत्तयानर्न ॥ ॥ तत० ॥
 यूर्ध्वनिष्ठ ॥ वधुजवमधवक
 जानकन ॥ यन्त्रयवयवम
 यूर्ध्वजानकन ॥ अद्वाल
 नय ॥ ॐ दवागम ॥ ॐ माया
 यम् ॥ मासीसायधन ॥ ॐ न

नूयान्मसि ॥ अग्निवकाकाय ॥
 वकायकविमर्हनी ॥ वध
 खवसगयावधोहितनवका
 कलननमृतिवकी ॥ चदन
 सिद्धनसगुणानीवोद ॥ आव
 लाकाखावधयानविय ॥
 ॐ आकृष्ट ॥ वधुमरुआवति
 यतिष्ठा ॥ ॐ स्वायिस्वावलिव
 वावकलकाय ॥ अगनमाल
 कासगयावसामधुकाय ॥
 कुमारवाक्त्रययानयनक ॥
 कुमारवाक्त्रययानयनक
 काय ॥ ॐ ॥
 वाक्त्रययानयन ॥ शकनकनक
 ॥ सामधिविय ॥ यविनिर्क
 विय ॥ वधुमगुणधनिवय
 नथियकाडा ॥ संधाजान ॥
 धामथायकलकाययय ॥
 धनसगिकरुनिर्क ॥ निर्कस
 न्निर्कथनीलकायानायन
 यजायायमाल ॥ ॐ निनीम
 कोनयन ॥ ॐ ॥
 ॥ अथमयन्त्रयवयवनिर्कलकाय ॥

25

20

15

10

5

0

नाना यव यज्ञा विधिः ॥ ॐ श्रद्धा
 दि ॥ असाधनी मुक्तानयना
 दनयुक्तकामनाथलक्ष्मीना
 यवयुजा निमित्तार्थकनूनी
 यो योर्ध्वयुग्म ॥ पुननमः
 खान ॥ यामाध्यागुयुजा ॥ त
 गोलासयुजा ॥ ॐ ॥ ततो
 नाथन ॥ ॐ तत्वायामि ॥ २६ ॥
 तत्त्वगत ॥ ॐ साधनालकय
 २ ॥ ॐ मूनकाय २ ॥ ॐ स्कंदाय
 २ ॥ ॐ किलाय २ ॥ ॐ नालाय
 २ ॥ ॐ यद्राय २ ॥ ॐ यगाय २ ॥
 ॐ कलवाय २ ॥ ॐ कर्णिकाय २ ॥
 ॥ ॐ कलवादिद्यादलमूर्कथ
 प्रियादिद्यादलकथ ॥ दमा
 मर्तयुग्म ॥ ॐ गनूजमनोय २
 ॥ तत्त्वलीखयुग्म ॥ ॐ ॥
 ध्यान ॥ ॐ पुद्गल टिकर्षुय
 ननिचयायमीनकवर्कविष्म
 लादमयवाङ्मर्धनरुनि ॥ म
 चिच्चयोनय धरुदवीवृष्टि
 गथयमेदवह्यीयुमर्णका
 मर्णलक्ष्मणतगेडाली ॥ मर्व
 ॐ यमदानखयर्कवैवदाल
 यर् ॥ दक्षिणयुग्म ॐ वन्दव

काण्टि

कं २ बाध

मयेवायवर्ण ॥ कलर्णदयर्ण
 नालयसर्कल्लरुमर्कम ॥ यम
 धृष्टिसमोश्वागर्णखण्णदाकम
 यत ॥ ॐ कर्णिरुगर्णिव्यासाका
 नगुहकानर्ण ॥ मृग्य ॥ ॐ ॥ सोमव
 दात्मनासदवनमश्नुत ॥ ॐ ल
 क्ष्मीनानाय ॥ ॐ यध्मनयर्ण २ ॥
 मूलनमर्क ॥ ॐ ॥ ३ ॥ नाना
 गन्धसमोय्युग्मानिचन्दना
 कर्ण ॥ ॐ द्विष्टुयादय ॥ ॐ ममया
 दलाप्रिया ॥ ॐ ॥ ३ ॥ ॐ क
 लवायणीसहिताय २ ॥ ॐ ना
 नायल्यवागीध्वनीसहिता
 य २ ॥ ॐ साधवायकाजीसहि
 ताय २ ॥ ॐ लविन्दायक्रियास
 हिताय २ ॥ ॐ त्रिष्टुवर्णमिसहि
 ताय २ ॥ ॐ मधुसूदनायविरुति
 सहिताय २ ॥ ॐ निष्ठिकमाय ॥
 सहिताय २ ॥ ॐ वामनायवीगिस
 हिताय २ ॥ ॐ जीधनायवतिसहि
 ताय २ ॥ ॐ हवीकल्लयमायस
 हिताय २ ॥ ॐ यमनायधृतिम
 हिताय २ ॥ ॐ दामादनायमहिमा
 सहिताय ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 दादलनायनाय ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

0 cmts. 5 10 15 20 25 30 35

ॐ यन्मातृमाय ॥ ॐ लक्ष्मी ॥
ॐ मादियादिवगहया ॥ ॐ
लादिदललाकयालाय ॥ ॐ
अग्निनादिमहाविंशतिनक्षत्र
८ नमः ॥ ॐ विष्कलादिमहाविंश
तिनागन्या ॥ ॐ मयादिद्वादश
नालया ॥ ॐ युगियोगिंदुदि
यचदलतिश्या ॥ ॐ गजयथ ॥
॥ ॐ गुन्या ॥ ॐ रुदयादि ॥
यादिय ॥ ॐ मावाहनादि ॥
चन्द्रनाका ॥ ॥ गताधवावृत्ती
ॐ यजुः ॥ ॐ दविष्णु ॥ ॐ नाव
तीधनुमतीहिरण्यसूर्यवसि
नीमनवदलस्यायस्कज्ञानाद
लीविष्णुवर्गदाधरुयुधिर्वीम
रिगामयुखे ॥ ॐ दवधुतोदवः
शाद्यावर्गयात्रीयतमध्वनकल
यनी ॥ ॐ यज्ञनयर्गमाजिह्वा
नर्गर्गमावदतीदवीदृष्ट
मायमीनिर्वादिष्टयुगांमनि
वीदिष्टमग्नमयध्विर्मयुधिः
शा ॥ ॐ विष्णुर्गर्गवीश्यादियः
वार्चयः ॥ याध्वीनिविममन
८ मि ॥ यासुक्तायद्रुन८ म
ध्वं विचक्रमागमध्वन

याविष्णुवत्ता ॥ ॐ दिवावाविष्णु
उतवायुधियामहावाविष्णु
नानगानिष्ठाकाउराहिरुस्य
गस्यययुक्तदकिणदागस
याविष्णुवत्ता ॥ ॐ यगद्विष्णुसुव
गवीश्यामृगमनरोम८ कचः
नानिष्ठा ॥ यस्यानयुगिष्विक
लस्यध्विर्वियन्तिरुवनानि
विष्णु ॥ ॐ विष्णुनलाठ ॥ ॐ ग
द्विवासाविद्यनयायोग्यवा
गसमिधमाविष्णु ॥ ॐ यनर्म
यदी ॥ ॐ विष्णु८ कर्म्मलियन्मि
यगावतानियन्म ॥ ॐ न्यः
हृष्टीसखाविष्णु ॥ ॐ यनर्मयदी ॥
ॐ गलियदा ॥ ॐ नद्विष्णु८ यनर्मय
द८ सदायन्मिस्त्रय ॥ दिवी
वयद्रुनातर्ग ॥ ॐ निष्ठादलना
नायसवद ॥ ॐ ॥ ॐ नीधुन
॥ ॐ माविष्णुगयथ ॥ ॐ जिमीन
रुसागममसागहृयतमर्गु
मिहृनध्वनीमग्निमग्निमग्निवि
मृध्वर्गवाजुह्वनो ॥ ॐ दृग्मना
नृक्षउश्यायद्योदमेयमायु८ नि
थनवान८ मग्निस्त्रुतामराव
दथाकिश्वध्वनीनोवनयः
स्त्रुता ॥ ॐ नीधमदानाध्व

ननु तस्मिन्निह नाना यत्किञ्चिदुच्यते
नृणां मेदं यथा यत्किञ्चिदुच्यते

न यत्किञ्चिदुच्यते ननु तस्मिन्निह नाना यत्किञ्चिदुच्यते
नृणां मेदं यथा यत्किञ्चिदुच्यते

अथ यीर्त्ता मनीषा क्षयिष्येति
क्षामन्मया ॥ वसुं सुनः सह
सोऽयनाजा विराज्ये गडयसा
निधने ॥ ॐ वनवद्वर्गं वृद्धि
यत्किञ्चिदुच्यते ननु तस्मिन्निह नाना यत्किञ्चिदुच्यते
नृणां मेदं यथा यत्किञ्चिदुच्यते

न विरुतः ॥ अथा ॥ वसुं सुनः सह
क्षामन्मया ॥ वसुं सुनः सह
सोऽयनाजा विराज्ये गडयसा
निधने ॥ ॐ वनवद्वर्गं वृद्धि
यत्किञ्चिदुच्यते ननु तस्मिन्निह नाना यत्किञ्चिदुच्यते
नृणां मेदं यथा यत्किञ्चिदुच्यते

कासुर्ध्याय ॥ वाक् ॥ उं यज
मानासकस्ययजतादलना
नासुखाय ॥ एकस्यसुखा
ईश ॥ उं सुकृष्ण ॥ वायधमः
काअधयसुखान ॥ विविधथा
वदकाय ॥ उं मादयितामही
ययितामहीत्यः पिठयितामह
ययितामहस्यः दमासर्नय
द्वि ॥ धमिमागुपय ॥ वाक् ॥ गम
यालवानसा ॥ ॥ विष्टदवादि
दवागास्यः दमासर्नय ॥ ॥
यादिसकलगडिष्ट ॥ विष्टद
वयानामकविनेय ॥ उं मया
यश ॥ उं वसवै ॥ ॥ दमास
नादि ॥ यगवामनयाल ॥ उं स्वका
यविष्टकमे ॥ दमासर्नय ॥
यादि ॥ सुमायाग ॥ उं उगागाकमे
उकिष्ट ॥ यगवामनयाल ॥
यीयगातिर्यावावृद्धि ॥ यय
गोधनक ॥ ॥ गगाविनेय ॥
वायन ॥ यिवालागयाजा
वद्युतादिवाकडाजागवध
यवन ॥ वायनकायल्लेख

नहाय ॥ उं उजपुदलमास्थगधु
जनासुखसह ॥ यथात्रवापुनजमि
यथासमृद्धपुनजमि ॥ उवायदलमा
स्थाभुपुर्कनायसह ॥ उं यमे
नयस्त्रिथामधुयस्यथानिहिन
धयी ॥ भुभुमेकगायस्यगनाग
समजीगम ॥ स्वाहा ॥ ॥ पुनः ले
खनहायमनु ॥ उं भुवैपुष्टि
लोवल ॥ सुनेजलायतवेनवमा
॥ मनपीवनीकसिं ॥ भुभुमेक
मवजनायययता ॥ धनवालव
स्त्रानयाचक ॥ नाडीमदं स्पंडला
॥ ॥ घृतमधुसुवर्ण ॥ उवालाव
वालकनक ॥ वायनभुनामिका
हसन ॥ उं हः स्वयिदधामि ॥ उं उ
वस्वयिदधामि ॥ उं स्वस्वयिद
धामि ॥ उं हर्षवस्वयिदधामि ॥ क
मानयानाति संभव ॥ उवदससं
भव ॥ उयलयमनु ॥ उं भुनिना
युष्मानुवनस्यगी ॥ रिनायुष्मांक
नस्वायुष्मायुष्मांकनामि ॥ उं
मामभायुष्मानुसउवधीति
नायुष्मांकनस्वायुष्मायुष्मांक